नई दिल्ली
रविवार, 13 जुलाई 2025
श्रावण मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 89
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 35
न्यून. 28

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

11 लॉर्ड्स में राहुल ने जड़ा शतक, पंत के अर्धशतक से भारत की पकड़ मजबूत

देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले का आयोजन

पीएम मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र बोले- अब बिना पर्ची, बिना खर्ची के हो रही है 'भर्ती'

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'। युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे।

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान- पीएम

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा। बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

रोजगार मेले के आयोजन का लक्ष्य

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

भारत में 48 प्रतिशत सस्ती हुई एक्स की सदस्यता

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत में खाताधारकों के लिए सदस्यता शुल्क में 48 प्रतिशत तक की कटौती की है। सोशल मीडिया फर्म ने मोबाइल ऐप के लिए प्रीमियम अकाउंट सब्सक्रिप्शन शुल्क में लगभग 48 प्रतिशत की कटौती कर इसे 470 रुपए कर दिया है, जो पहले मासिक आधार पर 900 रुपए लिया जाता था।

राजा हत्याकांड के 2 सह-आरोपियों को दी जमानत

शिलॉन्ग। इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में कोर्ट ने दो सह-आरोपियों लोकेंद्र सिंह तोमर और बलबीर अहिरवार को जमानत दे दी है। दोनों की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट डीकेके मिहसिल्ल की अदालत ने बुधवार को दोनों को जमानत दी। सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई।

रामबन में खाई में गिरी एसयूवी, 5 की मौत

जम्मू। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में एक निजी यात्री वाहन के सड़क से फिसलकर 600 फुट गहरी खाई में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि एसयूवी शुक्रवार देर रात उखराल पोगल परिस्तान क्षेत्र में सेनाबाथी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें तौकीर अहमद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल लोगों में से तीन मोहम्मद रफीक, अब्दुल लतीफ और एजाज अहमद ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 15 पेज की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

अनुत्तरित सवाल: फ्लाइट के दोनों इंजनों का फ्यूल किसने बंद किया था, जिससे हादसा...!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अहमदाबाद प्लेन हादसे के एक महीने बाद शुरुआती जांच रिपोर्ट आ गई है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने शनिवार को 15 पेज की रिपोर्ट सार्वजनिक की। प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह हादसा विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हुआ था। टेकऑफ के तुरंत बाद एक-एक करके दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे, इस वजह से दोनों इंजन भी बंद हो गए। इस दौरान कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या तुमने स्विच बंद किया है? दूसरे ने जवाब दिया, नहीं। इसके बाद अनुत्तरित सवाल उठा कि आखिर फ्लाइट के दोनों इंजनों का फ्यूल किसने बंद किया था, जिसकी वजह से हादसा हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे। 15 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ ▶▶ शेष पेज 5 पर

12 जून को एयर इंडिया की फ्लाइट टेकऑफ के कुछ ही देर बाद क्रैश हो गई थी। इसमें 270 लोगों की हुई थी मौत

रिपोर्ट में मौसम, बर्ड-हिट और सबोटाज जैसे किसी भी कारण का जिक्र नहीं

प्लेन क्रैश रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही दोनों इंजन बंद हो गए
- कॉकपिट की रिकॉर्डिंग में एक पायलट ने पूछा, तुमने इंजन क्यों बंद किया? दूसरे ने कहा, मैंने नहीं किया
- इंजन को फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इंजन 1 थोड़ा ठीक हुआ, लेकिन इंजन 2 चालू नहीं हो सका
- प्लेन सिर्फ 32 सेकंड तक हवा में रहा। फिर रनवे से 0.9 नॉटिकल मील दूर एक हॉस्टल से टकराकर गिर गया
- ईंधन की जांच में सब साफ निकला, कोई खराबी या गंदगी नहीं मिली
- टेकऑफ के समय फ्लैप और लैंडिंग गियर सही स्थिति में थे

ये अंतिम रिपोर्ट नहीं, शुरुआती रिपोर्ट है: मंत्री नायडू

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने इस रिपोर्ट पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ये एक शुरुआती जांच रिपोर्ट है और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट आने तक कोई भी आधिकारिक निष्कर्ष नहीं निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट फिलहाल प्रारंभिक स्तर की है और मंत्रालय इसमें सामने आई बातों का विश्लेषण कर रहा है। नायडू ने कहा कि एएआईबी एक स्वतंत्र संस्था है और हम उन्हें हर संभव सहयोग दे रहे हैं। ▶▶ शेष पेज 5 पर

रिपोर्ट की अमेरिका ने की तारीफ

दूसरी ओर रिपोर्ट पर अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर पीटर गोएल्ज ने एएआईबी की तारीफ की है। उन्होंने कहा, भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की सराहना की जानी चाहिए कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

जांच में कर रहे सहयोग: एयर इंडिया

एयर इंडिया ने रिपोर्ट पर बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा है कि वह 'हादसे में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है' और जांच कर रहीं एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। बयान में रिपोर्ट के किसी विशेष विवरण पर टिप्पणी नहीं की गई है। हम इस दुखद समय में शोक में डूबे हैं और हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम शनिवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की ओर से जारी शुरुआती रिपोर्ट को प्राप्त करने की पुष्टि करते हैं। हादसे के बाद एअर इंडिया की मूल कंपनी टाटा संस ने मृतकों के परिजनों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की। जबकि एअर इंडिया ने 25 लाख का अंतरिम मुआवजा देना शुरू कर दिया है। साथ ही एअर ▶▶ शेष पेज 5 पर

13 से 15 जुलाई तक सिंगापुर, चीन की यात्रा पर रहेंगे जयशंकर

'चीन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत का नेतृत्व करेंगे'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर रविवार से सिंगापुर और चीन की तीन दिवसीय (13 से 15 जुलाई तक) यात्रा पर रहेंगे। सिंगापुर उनकी इस विदेश यात्रा का पहला पड़ाव होगा। जिसके बाद वह चीन के तियानजिन जाएंगे और वहां आयोजित किए जाने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें कहा कि चीन में विदेश मंत्री की एससीओ की बैठक से इतर समूह देशों के अपने कुछ समकक्ष मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें होंगी। जबकि सिंगापुर में एस.जयशंकर अपने समकक्ष और वहां के विदेश मंत्री से मुलाकात करेंगे। उनकी सिंगापुर के राजनीतिक नेतृत्व से जुड़े प्रतिनिधियों से भी मुलाकात होगी।

कयास: पीएम भी जा सकते हैं चीन

विदेश मंत्री की सिंगापुर यात्रा दोनों देशों के बीच किए जाने वाले नियमित आदान-प्रदान का हिस्सा है। उधर, बीते कुछ वक्त से मीडिया में यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ के राष्ट्रप्रमुखों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा कर सकते हैं।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान से दुखद खबर

घायल मादा चीता नाभा की इलाज के दौरान मौत

'हड्डियों में फ्रैक्चर के साथ गंभीर चोटें थीं'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कूनो राष्ट्रीय उद्यान से दुखद खबर यह आई है। यहां नामीबिया से लाई गई आठ वर्षीय मादा चीता नाभा की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई।

कूनो प्रबंधन के अनुसार, मादा चीता एक सप्ताह पहले अपने सॉफ्ट रिलीज बोमा में शिकार के प्रयास के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसके बाद उसका लगातार इलाज चल रहा था। शनिवार को कूनो प्रशासन ने मादा चीता के मरने की पुष्टि कर दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नाभा को बाईं ओर अल्ना और फिबुला हड्डियों में फ्रैक्चर के साथ कई अन्य गंभीर चोटें आई थीं। अनुमान लगाया गया है कि ये चोटें शिकार के दौरान तेज दौड़ या झटके की वजह से आई होंगी। घायल होने के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए विशेष निगरानी में रखा गया और एक सप्ताह तक उसका इलाज चला, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ और शनिवार को उसकी मौत हो गई। हालांकि मादा चीता की मौत का राज पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद खुलेगा लेकिन कूनो प्रशासन ने उसकी मौत का प्रारंभिक कारण गंभीर चोट लगना ही बताया है।

कलेक्टर मेनन के अपहरण में शामिल लोकेश ने पत्नी के साथ किया समर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिला मुख्यालय में शनिवार को 11 हार्डकोर नक्सली समेत 23 ने समर्पण किया जिन पर 1.18 करोड़ रुपए का ईनाम घोषित था। समर्पण करने वाले नक्सलियों में सबसे उपर दक्षिण सब जोनल ब्यूरो सप्लाई टीम कमाण्डर डीवीसीएम लोकेश उर्फ पोड़ियाम भीमा का नाम आता है, जिसने अपनी एसीएम पत्नी हिड़मे के साथ समर्पण किया है। लोकेश नौ ऐसी संगीन घटनाओं में शामिल था जिसमें 46 जवानों की शहादत हुई थी।

मराठों की समृद्ध विरासत को दुनिया ने सराहा

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुए 'मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) ने पेरिस में आयोजित अपने 47वें सत्र में शुक्रवार को भारत के 12 किलों को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया, जो मराठा शासकों द्वारा परिकल्पित असाधारण किलेबंदी और सैन्य प्रणाली का प्रतिनिधित्व करते हैं। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि, विशाल वी. शर्मा ने विश्व धरोहर सूची में 'मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स' को शामिल किए जाने के बाद कहा कि यह न केवल भारत के लिए, बल्कि विशेष रूप से दुनिया भर ▶▶ शेष पेज 5 पर

20 देशों के सामने रखा पक्ष

शर्मा ने बताया कि पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद ने इसे सूची में शामिल करने से मना कर दिया था। हमने 20 देशों के सदस्यों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में, उन्हें इसकी तकनीकी बातें समझाईं। हमने अपना पक्ष रखा और हम मामला जीत गए।

12 किले एवं दुर्ग को यह दर्जा दिया गया

मराठा शासकों के 12 किले एवं दुर्ग को यह दर्जा दिया गया, जिनमें महाराष्ट्र में साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़, खंडेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, स्वर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजय दुर्ग और सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु में जिंजी किला शामिल हैं जो 17वीं और 19वीं शताब्दी के बीच के हैं।

इस सम्मान से हर भारतीय गदगद: पीएम

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि इस सम्मान से हर भारतीय गदगद है। जब हम गौरवशाली मराठा साम्राज्य की बात करते हैं, तो हम इसे सुशासन, सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक कल्याण पर जोर से जोड़ते हैं। महान शासक किसी भी अन्याय के आगे न झुकने के अपने साहस से हमें प्रेरित करते हैं।

कपिल शर्मा को खालिस्तानी आतंकी पन्नू की धमकी

कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं खून की कमाई हिन्दुस्तान ले जाओ

कपिल पर हिन्दुत्व विचारधारा फैलाने का आरोप लगाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर फायरिंग के मामले में कनाडा पुलिस जांच कर रही है। शुरुआती जांच में खालिस्तानी समर्थक के शामिल होने की आशंका जताई गई है। इस बीच खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने धमकी भरा वीडियो जारी किया है।

क्या कैप्स कॉमेडी का अड्डा है

पन्नू ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं है। अपनी खून की कमाई वापस हिन्दुस्तान ले जाओ। उसने कपिल शर्मा पर हिन्दुत्व विचारधारा फैलाने का आरोप लगाया। पन्नू ने कहा कि कनाडा इस तरह की सोच को अपने देश में बढ़ने नहीं देगा। उसने पूछा कि क्या कैप्स कैफे कॉमेडी का अड्डा है या हिन्दुत्व फैलाने की साजिश का हिस्सा? बता दें, कपिल शर्मा ने 4 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में अपना कैफे खोला था। 10 जुलाई की रात अज्ञात लोगों ने इस कैफे पर फायरिंग की। इस हमले की जिम्मेदारी हरजीत सिंह लाडी और तूफान सिंह ने ली है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैं।

कानूनों के उल्लंघन पर वीजा रद्द होने के साथ किया जाएगा निर्वासन

अमेरिका के वीजा के लिए कानूनों का अनिवार्य अनुपालन ही एकमात्र उपाय

2026 से ढाई गुना महंगा हो जाएगा अमेरिका का वीजा, देने पड़ेगी 250 डॉलर की अतिरिक्त धनराशि

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई वाली रिपब्लिकन पार्टी की सरकार से अमेरिका का वीजा हासिल करना किसी टेढ़ी खीर से कम नहीं है। सप्ताह-दर- सप्ताह वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी प्रशासन से लेकर यहां नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की तरफ से मामले पर नई हिदायतें सामने आती रहती हैं। इसी क्रम में शनिवार को दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट की। जिसमें चेतावनी के साथ दोहराते हुए कहा कि अमेरिका का वीजा हासिल करने वाले लोगों की जांच लगातार जारी रहेगी। जिसके पीछे हमारा उद्देश्य वीजा धारकों द्वारा अमेरिका के कानूनों और ▶▶ शेष पेज 5 पर

देना पड़ेगा 250 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क

अमेरिका ने हालिया पास किए गए 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' के जरिए अगले साल 2026 से गैर-अप्रवासी वीजा के लिए 250 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क वसूलने का निर्णय लिया है। इससे सर्वाधिक प्रभावित होने ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत के लिए यूं बढ़ती चिंता

वर्तमान में भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका का वीजा सबसे बड़ा आकर्षण है। बड़ी तादाद में उनके द्वारा एफ-1 और जे-1 वीजा के लिए आवेदन किया जाता है। इस साल भी ऐसी ही कवायद जारी है। ऐसे में वीजा ▶▶ शेष पेज 5 पर

अमेरिका का वीजा कोई अधिकार नहीं

गौरतलब है कि वीजा की अनवरत निगरानी की बात अमेरिकी प्रशासन पहले भी कह चुका है। लेकिन उनके भारत में मौजूद दूतावास का यह बयान एक ऐसे समय में सामने आया है। जब हाल ही में अमेरिकी प्रशासन ने गैर-प्रवासी 'एफ, एम और जे' वीजा आवेदकों से अपने सभी सोशल मीडिया खातों की प्राइवेसी (गोपनीयता) को पब्लिक (सार्वजनिक) करने का फरमान सुनाते हुए इसे वीजा जांच का अहम बिंदु बताया था। साथ ही कहा था कि इससे आप्रवासन ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

दिल्ली के अपराध में आई 8.4 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा पहली छमाही में अपराध के मामलों में कमी का दावा किया गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में समग्र अपराध में 8.38 प्रतिशत की गिरावट बताई गई है। दुष्कर्म एवं पॉस्को के मामलों में 10 प्रतिशत की गिरावट की बात कहीं गई है। दिल्ली पुलिस द्वारा शनिवार को प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार एक जनवरी से 30 जून, 2025 तक लगभग 10,000 मामलों की गिरावट के साथ कुल 1,18,822 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 की इसी अवधि में 1,29,693 मामले दर्ज किए गए थे। हत्या, बलात्कार, डकैती और अपहरण जैसे जघन्य अपराधों में 2023 की तुलना में 13.13 प्रतिशत और 2024 की तुलना में 10.39 प्रतिशत की गिरावट आई है। हत्या के मामले पिछले वर्ष के 241 से बढ़कर 2025 में 250 दर्ज किये गये, जबकि दुष्कर्म और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) के मामलों में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई। आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न और छेड़छाड़ जैसे अपराधों में भी लगभग 11 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। स्नैचिंग की घटनाएं 2024 की पहली छमाही में 3,381 मामलों से 25.97 प्रतिशत घटकर 2025 में 2,503 मामले रह गई। इसी प्रकार चोरी के मामलों में 25.4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो 4,271 से घटकर 3,186 पर आ गई। मोटर वाहन चोरी 5.98 प्रतिशत घटकर 18,626 से 17,512 हो गई। पुलिस ने इस गिरावट का श्रेय बढ़ी हुई निगरानी, डेटा-आधारित गश्त, सामुदायिक संपर्क और बार-बार अपराध करने वालों पर समन्वित कार्रवाई को दिया है।

कालकाजी में युवक को चाकू मारे

नई दिल्ली। कालकाजी इलाके में शुक्रवार देर रात एक युवक चाकुबाजी की घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कुछ ही घंटों में दो नाबालिगों समेत तीन आरोपियों को दबोच लिया है। केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात 10:57 बजे एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई जिसमें बताया गया कि साहिल नाम के एक लड़के को डीडीए फ्लैट्स, कालकाजी के पास दो परिचित लड़कों ने कूल्हों और जांघ पर चाकू मार दिया है। घायल को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया है। पुलिस अस्पताल पहुंची जहां साहिल (19) पुत्र जुल्फिकार अली निवासी भूमिहीन कैंप, गोविंदपुरी भर्ती पाया। पीड़ित का बयान दर्ज कर लिया गया है। उसने जानकार आरोपियों के नाम बताए। सभी आरोपी गोविंदपुरी के ही रहने वाले हैं। एमएलसी के अनुसार पीड़ित साहिल की जांघ और पीठ पर चाकू से वार किए गए थे। संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दो नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ा गया है।

व्यावसायिक इमारत में लगी आग

नई दिल्ली। सदर बाजार इलाके में शनिवार दोपहर एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने जानकारी दी कि हमने सूचना के बाद करीब 27 गाड़ियां मौके पर भेजी। आग बुझाने का कार्य शाम तक चलता रहा। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि विभाग को शनिवार अपराह्न करीब 3.50 बजे सदर बाजार मेन मार्केट की बिल्डिंग नंबर एन 6065, कुतुब चौक, मटका गली में आग लगने की सूचना मिली थी। इस बिल्डिंग में कई दुकानें बताई गई है। हमने दमकल की 27 गाड़ियां मौके पर भेजी। खबर लिखे जाने तक आग पर काबू पाने का काम जारी था।

मरने वालों में मकान मालिक, उनकी पत्नी, दो बेटे, एक बेटी और दो साल की नवासी शामिल

चार मंजिला मकान गिरने से छह लोगों की मौत, आठ घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ घायल जीटीबी और जेपीसी अस्पताल में भर्ती

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला मकान ढहने से छह लोगों की मौत हो गई। करीब आठ लोग घायल हैं। मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन शाम करीब छह बजे तक चला। सिविक एजेंसियों को संकरी गली होने की वजह से राहत एवं बचाव कार्य में परेशानी का सामना करना पड़ा। घायलों को जीटीबी व जेपीसी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मरने वालों में मकान मालिक, उनकी पत्नी, दो बेटे, एक बेटी व नवासी शामिल हैं।

डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि हादसा कैसे हुआ है इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जो लोग मलबे से निकाले गये है उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। डीसीपी के अनुसार वेलकम थाने में शनिवार सुबह लगभग सात बजकर चार मिनट पर ईदगाह, वेलकम के निकट चार मंजिला इमारत के ढहने की सूचना मिली। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि इमारत की तीन मंजिलें ढह चुकी थी। साढ़े 10 घंटे चले ऑपरेशन में फंसे लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया। आठ घायलों को जेपीसी और जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा ने बताया कि इमारत के मालिक मतलूब अपने परिवार के साथ इस मकान में रहते थे। भूतल और पहली मंजिल खाली थी। सामने वाली इमारत को भी हादसे में काफी नुकसान पहुंचा है। इस घटना में मतलूब (50) और उनकी पत्नी राबिया (46), दो बेटे जावेद (23) , भूरा अब्दुल्ला (15), बेटी जुबिया (27) और जुबिया की बेटी दो साल की बेटी फौजिया की मौत हुई है। मतलूब का बेटा परवेज (32), नावेद (19), परवेज की पत्नी सिजा (21) और एक साल का बेटा अहमद घायल है। पुलिस ने बताया कि अन्य घायलों के नाम गोविंद (60), उसका भाई रवि कश्यप (27) और उनकी पत्नियां दीपा (56) तथा ज्योति (27) भी हादसे में घायल है। गोविंद का परिवार इमारत के ठीक सामने वाले मकान में रहता है। इस इमारत के सामने वाली एक अन्य इमारत में रहने वाले अनीस अहमद अंसारी ने बताया कि उन्हें भी इस घटना में चोटें आई हैं। जैसे ही इमारत गिरी, मलबा अंसारी के मकान पर आ गिरा और वह घायल हो गया। स्थानीय लोगों समेत हर कोई बचाव कार्य में जुट गया। इमारत उस समय गिरी जब ज्यादातर लोग या तो सो रहे थे या सुबह की सैर पर निकले थे। दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर पांच में एक इमारत गिरने की सूचना मिली थी। इसके बाद सात दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गई थी।

जयपुर से लौटे थे परिवार के कई सदस्य

मतलूब का आनंद विहार में ड्राइक्लीन का काम है। परिवार में पत्नी, चार बेटे व दो शादीशुदा बेटियां हैं। इनकी बेटी आफिया जयपुर में रहती है। उसके पति ने हाल ही में सैलून खोला है। गुरुवार को मतलूब की पत्नी राबिया, अपने बेटे जावेद, भूरा व लोनी में रहने वाली शादीशुदा बेटी जुबिया व ढाई साल की नवासी फौजिया के साथ जयपुर सैलून के उद्घाटन समारोह गए थे। शुक्रवार देर शाम को वह लौटे थे। उनके जीजा व बड़ा बेटा समारोह में नहीं जा सके थे। हादसे के समय चौथी मंजिल पर नावेद, तीसरी मंजिल पर परवेज अपनी पत्नी व डेढ़ साल के बेटे और परिवार के बाकी सदस्य पहली मंजिल पर सौ रहे थे।

आसपास के तीन मकान भी हुये क्षतिग्रस्त

चार मंजिला मकान सुबह करीब 6:45 बजे गिर। आसपास के तीन मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। गली में लगे बिजली के तीन खंबे भी टूट गए। पुलिस ने बताता कि 11:30 बजे मकान मालिक व उनकी पत्नी का शव मलबे से निकाले गये। चार लोगों के शव बाद में निकले।

चार फुट चौड़ी गली बनी राहत एवं बचाव कार्य में बाधा

चार मंजिला इमारत गिरने के बाद दमकल, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची व राहत एवं बचाव अभियान में जुट गई। इलाके में बेहद संकरी गलियां हैं जिनकी चौड़ाई 2-3 फुट तक भी है। जो इमारत गिरी वहां पर चार फुट चौड़ी गली थी। इस कारण बचाव अभियान में काफी मुश्किलें आई। पूरा इलाका बहुत भीड़भाड़ वाला है। घटना के बाद तमाशबीनों का भी जमावड़ा मौके पर लग गया था।

30 गज में बना डाली अवैध चार मंजिल

जिस मकान में मतलूब का परिवार रह रहा था वह 30 गज में बना था। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। प्रशासन को आशंका है कि दो बार आये भूकंप और हालिया तेज बारिश के कारण मकान कमजोर हो गया था। जनता कॉलोनी में अवैध निर्माण के कारण ऐसे हादसे की आशंका हमेशा से ही बनी रहती है। यहां पर अवैध रूप से पांच से छह मंजिला मकान तक बन चुके है। ज्यादातर मकान बिना पिलर के बने हुये हैं। मकानों की हालत ऐसी है कि उन्हें रोकने के लिए लोहे के पाइप व पिलर लगाए गये हैं। एसडीएम तपन झा ने जनता कॉलोनी के मकानों की हालत देखकर स्ट्रक्चर की जांच के लिए निगम व शहरी आश्रय बोर्ड को आदेश दिए हैं।

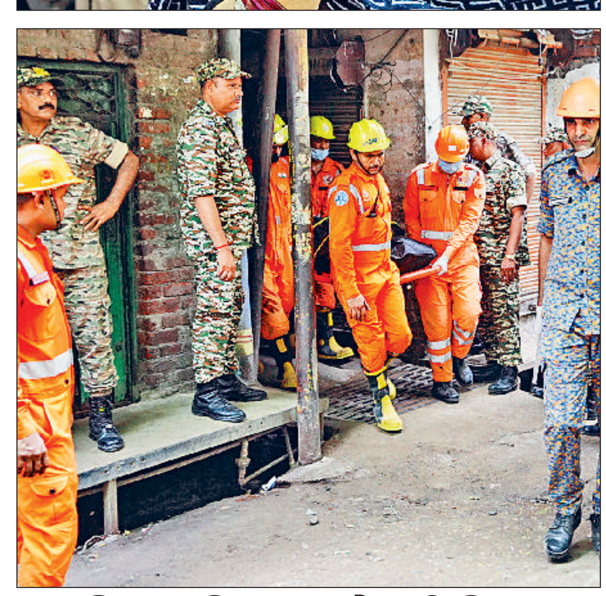

सरकार हादसे में मरने वालों को 10-10 लाख व घायलों को 2-2 लाख दे: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने यमुनापार सीलमपुर क्षेत्र में हुए इमारत हादसे में मरने वालों के लिए रेखा सरकार से 10-10 लाख और घायलों को 2-2 लाख रुपए मुआवजा तुरंत प्रभाव से देने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में अनाधिकृत निर्माण के लिए भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनो बराबर की जिम्मेदार है। इस दर्दनाक हादसे की उच्च स्तरीय जांच भी होनी चाहिए। यादव ने कहा कि सीलमपुर की जनता मजदूर कॉलोनी में ढाई मंजिला मकान ढ़हने के बाद 4 लोगों की मौत और मेट्रो के टनल के कारण आजाद मार्केट में जर्जर इमारत ढहने से एक व्यक्ति की मौत दुखद है। दो दिनों में 5 लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए। दर्दनाक हादसे के बाद भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का घटना स्थल पर नही पहुंचना दिल्ली वालों के प्रति उनकी असंवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दिल्ली के गरीब लोगों की कोई चिंता नही है, सिर्फ अपने प्रचार प्रसार में लगी है। इससे पूर्व 19 अप्रैल को मुस्तफाबाद में चार मंजिला ईमारत ढहने से 11 लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आज तक कोई ठोस कार्यवाही नही हुई है। यादव ने कहा कि दिल्ली की संकीर्ण कॉलोनियों में मकान ढ़हने के लिए वर्तमान भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार की लापरवाही और अनदेखी और पिछली आम आदमी पार्टी की भ्रष्टाचार में डूबी सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 15 वर्ष पुरानी बिल्डिंग अगर तास के पत्तों की तरह ढह जाए उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि लैंटर माफिया की शह में पड़ने वाले लैंटर कितने मजबूत है। भाजपा और आम आदमी पार्टी बिल्डरों के साथ मिलकर लोगों के जीवन के साथ खेला है। निगम खतरनाक बिल्डिंगों की पहचान तो कर लेती है परंतु उनको डिमोलिश जब तक नही करती जब तक उनको पैसे ना दिए जाए। पहाड़गंज और चाँदनी चौक क्षेत्रों के साथ साथ पूरी दिल्ली में ऐसी खतरनाक इमारतें है, पर उनपर कोई कार्यवाही नही होती। यह पहला अवसर नही है जब खस्ताहाल बिल्डिंग गिरने से लोग मरे हो, जनवरी में बुराड़ी में 5 मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग धराशाही हो गई थी जिसमें 5 लोग मरे थे और 12 घायल हुए थे। अप्रैल में मुस्तफाबाद में चार मंजिला इमारत गिरने से 11 लोग मरे थे। पिछले 12 वर्षों में दिल्ली में भाजपा और आप पार्टी के विधायक और पार्षदों के संरक्षण में अनधिकृत निर्माण इतनी अधिक संख्या में हुआ। यादव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सीलमपुर और मुस्तफाबाद में आम आदमी पार्टी और भाजपा के विधायकों के संरक्षण में बेरोकटोक अनधिकृत निर्माण हुए है। वर्तमान में केन्द्र सहित दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम में भाजपा के तानाशाही शासन में हो रहे भ्रष्टाचार पर कोई नियंत्रण नहीं है। यादव ने कहा कि हर वर्ष अधिकारी खतरनाक बिल्डिंगों की पहचान करते है परंतु होता कुछ नही है।

कपिल मिश्रा ने पीड़ित परिवारजनों को दी सांत्वना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीलमपुर इलाके में हुए हादसे के बाद दिल्ली सरकार में कला, संस्कृति एवं विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायज़ा लिया और पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कोई भी दोषी व्यक्ति जिम्मेदारी से बच नहीं पाएगा, सभी के विरुद्ध जांच होगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत दुखद और दर्दनाक बताते हुए कहा कि गली की चौड़ाई मात्र डेढ़ फुट होने के कारण मशीनें मौके पर नहीं पहुंचने में दिक्कत हुईं और मलबा हाथों से हटाना पड़ा।

मंत्री ने यह भी बताया कि एहतियात के तौर पर आस-पास की दो-तीन इमारतों को खाली कराया गया है क्योंकि उनमें भी गिरने का खतरा बना हुआ है। मिश्रा ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने दोहराया कि आमजन की सुरक्षा ही दिल्ली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कपिल मिश्रा ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वोटबैंक की राजनीति के चलते पूर्व की सरकारों ने अवैध निर्माणों को नजरअंदाज किया।

मुख्यमंत्री ने महापौर के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ बैठक में कुल 13 प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर हुई चर्चा : महापौर

दिल्ली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रगति की समीक्षा के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने बताया कि बैठक में कुल 13 प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा हुई, जिनमें गाजीपुर, भलस्वा और ओखला के तीनों लैंडफिल साइटों पर लीगेसी कचरे की बायोमाइनिंग की प्रगति और वर्ष 2026 की समयसीमा से पहले इन स्थलों के पूर्ण पुनः प्राप्ति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में उपमहापौर जय भगवान यादव, नेता सदन प्रवेश वाही, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, उपाध्यक्ष स्थायी समिति सुंदर सिंह, निगम आयुक्त अश्वनी कुमार, अपर आयुक्त जितेन्द्र यादव, मुख्य अभियंता (एमसीडी) तथा दिल्ली सरकार एवं एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर ने बताया कि निगम ने जुलाई 2025 में बायोमाइनिंग की क्षमता को 25 हजार टीपीडी से बढ़ाकर 30 हजार टीपीडी कर दिया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने पुनः प्राप्त भूमि के उपयोग को लेकर निर्देश दिए कि इसका एक-तिहाई भाग जनकल्याणकारी सुविधाओं जैसे खेल परिसर, अस्पताल और विद्यालयों के निर्माण हेतु प्रयोग किया जाए तथा शेष भूमि पर भविष्य की अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं की स्थापना सुनिश्चित की जाए।

कालकाजी बाजार के पास दो युवक गोली लगने से घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ पुलिस ने कहा मामला संदिग्ध, गोली चलने का नहीं मिला सबूत

■ घायलों के बयान दर्ज करने के किये जा रहे प्रयास

दक्षिण-पूर्वी जिले के कालकाजी मुख्य बाजार के पास दो युवकों पर कथित तौर पर गोलीबारी की गई जिसमें वे घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज चल रहा है। फिलहाल उन्होंने पुलिस को बयान नहीं दिया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक कालकाजी मुख्य बाजार के पास गोलीबारी होने के कोई सबूत नहीं मिले है। मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। घायलों के बयान के बाद स्थिति साफ होगी।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात करीब सवा 11 बजे पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें कॉल करने वाले ने दावा किया कि देशबंधु कॉलेज के पास स्थित टी-प्वाइंट के निकट 20 वर्षीय देव मलिक और 24 वर्षीय निर्भय भाटी को गोली लगी है। बताया गया कि घायलों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार वहां उनका इलाज किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों युवकों ने अपना बयान देने से इनकार कर दिया और कहा कि वे अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद थाने में अपना बयान देंगे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्थानीय जांच से पता चला है कि इलाके में गोलीबारी की कोई घटना नहीं हुई और कथित घटनास्थल पर इस्तेमाल किया हुआ कोई कारतूस भी नहीं मिला। दावों की पुष्टि के लिए आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नटवर, पुत्रः श्री विनय कुमार, निवासीः सी/ओ श्री. मुन्ना भाई, सी–15, मकान नंबर 168–बी, खजूरी खास–110053, दिल्ली।** मे **FIR No.: 524436/16, U/s: 138 NI Act, पुलिस थाना बुराड़ी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नटवर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नटवर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना बुराड़ी, दिल्ली** के अभियुक्त **नटवर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 14.08.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री देशना गोलेछा
एलडी. जेएमएफसी (एनआई एक्ट) – 07, कमरा नं0 – 507 एक्सटेंशन ब्लॉक, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/9088/N/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री विनोद कुमार निवासी एक्स–3782, गली नं. 9, शांति मोहल्ला, गांधी नगर, दिल्ली–31** ने केस **एफआईआर नं. 417/2020 अन्तर्गत धारा 138 एनआई एक्ट थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजेन्द्र कुमार** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजेन्द्र कुमार** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 417/2020 अन्तर्गत धारा 138 एनआई एक्ट थाना कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजेन्द्र कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
आरुषि परवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
एनआई एक्ट, कमरा नं. 02
तीस हजारी न्यायालय, नई दिल्ली
DP/9051/N/2025
(Court Matter)

कांवड़ियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है दिल्ली सरकार : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार कांवड़ियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। दिल्ली के बॉर्डरों पर उनके लिए स्वागत द्वार बन रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कांवड़ शिविरों की व्यवस्था परखने के लिए, अपनी सरकार के दो मंत्रियों आशीष सूद व कपिल मिश्रा के लिए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद यह बातें कही। बैठक में कांवड़ समिति की व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा कांवड़ समिति की व्यवस्था को लेकर बनाई गई समिति के सदस्य भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कांवड़ शिविरों की व्यवस्था व कांवड़ियों को दी जाने वाली सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की और इसे जनता की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व बताते हुए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर है।

खबर संक्षेप

रामलीला मंचन में किसी प्रकार की नहीं आएगी परेशानी : रेखा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में रामलीला का मंचन करने वाले आयोजकों को भरोसा दिलाया है कि उनकी सरकार लीला मंचन में किसी प्रकार की समस्या नहीं आने देगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास होगा कि सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से आयोजकों को लीला मंचन की अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में केबिनेट मंत्री आशीष सूद और कपिल मिश्रा के साथ रामलीला मंचन के आयोजकों से एक विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में रामलीला मंचन को अनुमति देने वाले विभिन्न विभागों के आला अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक के बाद रामलीला मंचन के आयोजकों ने मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। इस बैठक में रामलीला मंचन के आयोजकों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि उन्हें मंचन के लिए विभिन्न विभागों से एनओसी लेना पड़ता है।

कांवड़ यात्रा में कोई भी व्यवधान नहीं होने देंगे : मिश्रा

नई दिल्ली। दिल्ली में कांवड़ यात्रा में कोई भी व्यवधान नहीं होने देंगे। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी उस समय साझा कि जब दिल्ली के शाहदरा में कुछ शरारती तत्वों ने कांवड़ यात्रा के मार्ग पर कांच के टुकड़े लगभग एक किलोमीटर तक के मार्ग पर बिखेर दिए। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग और दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी मार्ग को साफ कर रहें हैं। स्थानीय विधायक संजय गोयल वहां मौजूद हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वयं घटना का संज्ञान लिया है और लोक निर्माण विभाग द्वारा शरारती तत्वों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

राजधानी में एक्यूआई संतोषजनक श्रेणी में हुआ दर्ज

नई दिल्ली। लगातार हो रही बारिश के चलते राजधानी दिल्ली की हवा लगातार सुधर रही है। गत करीब दस दिनों से राजधानी की हवा में वायु प्रदूषण लेवल (एक्यूआई) लगातार संतोषजनक श्रेणी में दर्ज हो रहा है। पर्यावरण विभाग के अनुसार शनिवार को दिल्ली का एक्यूआई संतोषजनक श्रेणी यानी 100 से नीचे दर्ज हआ। पर्यावरण वैज्ञानिक संतोष शर्मा का कहना है कि फिलहाल राजधानी में वायु प्रदूषण को लेकर कोई समस्या नहीं है, और आने वाले करीब दो महीने में दो चार दिन छोड़ दे तो हवा साफ रहेगी। क्योंकि मानसून के दौरान दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एंड कश्मीर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों नगरों में भी झमाझम बारिश होती है। ऐसे में वायु कण को हवा में तैरने का माहौल नहीं मिलता। शर्मा ने बताया कि इस दौरान न कही पराली जलती है। बारिश के चलते वाहनों से निकलने वाला प्रदूषण भी कुछ कम होता है। भवन निर्माण से लेकर अन्य कारकों पर भी बारिश का असर होता है और वायु प्रदूषण बढ़ने में कमी बनी रहती है।

100 करोड़ के बजट से दिल्ली में फैलेगा स्मार्ट अंडरग्राउंड वायरिंग नेटवर्क

तारों के जाल से मुक्ति की ओर दिल्ली : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली बिजली तारों के जाल से मुक्ति की ओर बढ़ रही है। दिल्ली में 100 करोड़ रुपये के बजट से दिल्ली के हर कोने में स्मार्ट अंडरग्राउंड वायरिंग नेटवर्क फैलेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग में ओवरहेड से अंडरग्राउंड वायरिंग के पहले पायलट प्रोजेक्ट के शुभारंभ के मौके पर यह संबोधन दिया। यहां मुख्यमंत्री ने बताया कि यह तो केवल एक शुरुआत है, हमारी सरकार की योजना है कि इस पायलट प्रोजेक्ट को दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में भी जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। इस योजना के लिए सरकार द्वारा 100 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। यह राशि विभिन्न चरणों में दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में भी इस परियोजना के विस्तार के लिए इस्तेमाल की जाएगी।

■ मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग में ओवरहेड से अंडरग्राउंड वायरिंग के पहले पायलट प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ

बिजली आपूर्ति और अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित बनेगी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि भूमिगत तारों की व्यवस्था से बिजली आपूर्ति और अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और कुशल बनेगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर' विज़न की भावना के अनुरूप है। चाहे यमुना सफाई अभियान हो, नहरों पर सड़कों का निर्माण हो या आधुनिक नगरीय व्यवस्था - प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और समर्थन से दिल्ली को एक स्वच्छ, सुंदर और टिकाऊ राजधानी के रूप में पुनः गढ़ने का कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

हरित ऊर्जा को अपनाने वाला बन रहा है आधुनिक शहर

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब दिल्ली सिर्फ एक राजधानी नहीं, बल्कि एक स्मार्ट, ऊर्जा-सक्षम और हरित ऊर्जा को अपनाने वाला आधुनिक शहर बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हर घर को निर्बाध बिजली आपूर्ति, उद्योगों के लिए स्थायी समाधान और पर्यावरण के अनुकूल ढांचा, यही है हमारी दिल्ली का भविष्य।

बिजली मंत्री को दी बधाई

सीएम रेखा गुप्ता ने ऊर्जा मंत्री आशीष सूद और उनकी टीम को इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए बधाई दी और कहा कि हमारा उद्देश्य है कि भविष्य में दिल्ली का कोई भी क्षेत्र तारों के जाल से न घिरा हो और सभी तार सुरक्षित रूप से भूमिगत हों। इससे राजधानी एक स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक ऊर्जा व्यवस्था वाली सिटी के रूप में विकसित होगी।

कर्तव्य पथ पर खुद को बारिश से बचाते लोग...

राजधानी पर बादलों की मेहरबानी से पांचवें दिन हुई बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार पांचवें दिन शनिवार को भी कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। हालांकि दिल्ली के अनेक हिस्सों में बादलों की मेहरबानी नहीं हुई, बावजूद इसके मौसम राहत भरा बना रहा। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सफदरजंग वेधशाला ने दिल्ली में 12.9 मिमी बारिश दर्ज की। जबकि लोधी रोड 12 मिमी, रिज एरिया में 0.8 मिमी, आया नगर में 00.4 मिमी, राजघाट में 11 मिमी, पूसा में 00.5 मिमी, मुंगेशपुर में 2.5 मिमी और मयूर विहार में 0.5 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं सुबह साढ़े आठ बजे से पहले के 24 घंटे में दिल्ली के सफदरजंग वेधशाला में 1.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य से 0.7 डिग्री नीचे है। जबकि न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य से 0.9 डिग्री कम है। आईएमडी ने वीकेंड यानी रविवार के लिए भविष्यवाणी करते हुए ग्रीन अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आसमान पर आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। मेघगर्जना के साथ बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। यानी कहा जा सकता है कि मानसून में इस वीकेंड पर सुहाने मौसम का आनंद मिल सकता है।

जलभराव होने से लगा लंबा जाम, जूझते रहे लोग

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार हुई बारिश के चलते शाम करीब पांच बजे के आसपास दिल्ली के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 स्थित स्वरूप नगर से लेकर आजादपुर मंडी तक करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जिसके चलते मार्ग पर वाहनों को रेंगना पड़ा और इसके चलते बड़ी संख्या में वाहन चालकों, यात्रियों आदि को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों ने बताया कि गत वर्ष भी जीटी करनाल डिपो से लेकर जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन तक बारिश के चलते जलभराव हुआ था और दिल्ली में सरकार बदलने के बाद भी यहां के हालात ऐसे ही हैं। दिल्ली सरकार ने नालों की सफाई के लिए खुदाई भी की है लेकिन ना यहां से सिल्ट उठाई गई और ना ही जलभराव निकासी की उचित व्यवस्था की गई है।

आस्था, प्रतिभा और प्रगति से रखी जा रही नए भारत की नींव : सूद

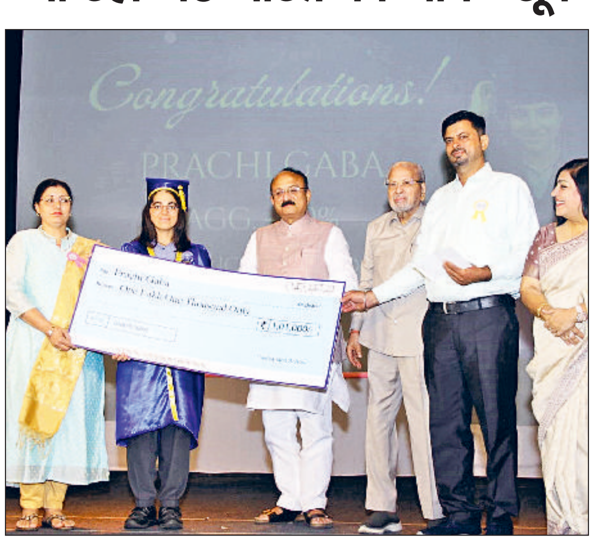

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ 'फ्यूचर लैब' का शुभारंभ कर मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

यह सिर्फ एक शैक्षिक आयोजन नहीं, बल्कि एक जीवंत संदेश है जहां आस्था, प्रतिभा और प्रगति एक ही मंच पर एकत्रित हों, वहाँ एक नए भारत की नींव रखी जा रही होती है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को आनंद विहार स्थित विवेकानंद स्कूल में आयोजित एक सम्मान समारोह में उपस्थित छात्रों, शिक्षक, और अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए यह संबोधन दिया। यहां समारोह में बोर्ड परीक्षाओं, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया। साथ ही स्कूल की नवीनतम तकनीकी पहल 'फ्यूचर लैब' का भी औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्कूल के संरक्षक योग ध्यान आहूजा, चेयरमैन प्रद्युम्न आहूजा, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं अभिभावक उपस्थित थे। इस मौके पर उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों को केंद्र में रखते हुए युवाओं को तीन अनमोल संदेश दिए जैसे जिज्ञासा-अपने भीतर उठने वाले सवालों को कभी दबने न दें। साहस- चुनौतियों से भागो मत, उनका डटकर सामना करो। शारीरिक और मानसिक बल सशक्त शरीर और दृढ़ मन ही सच्चे राष्ट्रनिर्माता बना सकते हैं।

जलभराव आम समस्या रहती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ : प्रवेश

मंत्री ने जोर बाग इलाके का किया निरीक्षण, उच्च मतदान भागीदारी के लिए जनता का किया धन्यवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हर साल मानसून के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव आम समस्या रही है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के जोर बाग इलाके के निरीक्षण के दौरान यह बातें कही। मंत्री ने जोर बाग क्षेत्र में हाल में हुए सकारात्मक बदलावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय रहते ड्रेनों की पूरी तरह से सफाई की गई, पार्कों में छंटाई का काम किया गया और सड़कों की मरम्मत भी समय पर हुई। यह सब इसलिए संभव हो पाया क्योंकि हमने सक्रियता और जवाबदेही के साथ काम किया। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने स्पष्ट किया कि उनका विभाग पारदर्शिता, जवाबदेही और जन सहभागिता की नीति पर चलता रहेगा। दौरे का समापन क्षेत्रीय निरीक्षण और अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा के साथ हुआ। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के जोर बाग इलाके का दौरा किया। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में जोर बाग की ऐतिहासिक रूप से उच्च मतदान भागीदारी के लिए वहां की जनता का धन्यवाद किया। मंत्री प्रवेश के साथ नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

निगम के दलित शिक्षकों का हक मार रही है भाजपा : अंकुश नारंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दलित विरोधी भाजपा दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग में तैनात दलित शिक्षकों का हक मार रही है। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए यह आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और एमसीडी का शिक्षा विभाग दलित शिक्षकों को प्रमोशन में बराबरी का अवसर नहीं दे रहा है। टीचर्स एसोसिएशन ने इसकी शिकायत एससी/एसटी आयोग से की है और कहा है कि प्रमोशन में आरक्षण के नियमों की अनदेखी की जा रही है। अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा और एमसीडी का शिक्षा विभाग मिलकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं और सिर्फ अपने लोगों को आगे बढ़ा रहे हैं। महापौर राजा इकबाल सिंह को बताना चाहिए कि एमसीडी ने टीचरों की वरिष्ठता और पदोन्नति सूची कैसे बनाई और दोनों में गड़बड़ी क्यों है? अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा और एमसीडी का शिक्षा विभाग मिल कर भ्रष्टाचार कर रहा है। भाजपा शासित एमसीडी की शिक्षा विभाग ने वरिष्ठता सूची निकाली थी और अब प्रमोशन लिस्ट भी निकाल दी है।

यूजी के चौथे साल के लिए पूरी तरह तैयार है डीयू : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय एनईपी-2020 के तहत अंडर ग्रेजुएट के चौथे साल के लिए पूरी तरह तैयार है। दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद (ईसी) की शनिवार को आयोजित हुई 1276 वीं बैठक के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने यह बाते कही। उन्होंने बैठक की अध्यक्षता करते हुए आरंभ में डीयू के पूर्व प्रति कुलपति एवं पूर्व एक्टिंग कुलपति स्व. प्रोफेसर पीसी जोशी को श्रद्धांजलि दी। बैठक के दौरान कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय में सभी तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ईसी ने प्रो. रजनी अब्बी को डीयू के दक्षिणी परिसर का निदेशक नियुक्त करने को स्वीकृति प्रदान कर दी। इस आशय का प्रस्ताव कुलपति ने ईसी के सामने रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कुलपति ने बताया कि 65.71 करोड़ रुपए की लागत से विश्वविद्यालय में वाई-फाई कनेक्टिविटी का विस्तार किया गया है। विश्वविद्यालय का पुस्तकालय ऑनलाइन हो चुका है। दो लाख से अधिक ऑनलाइन पुस्तकें और जर्नल विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं और यह दिन रात सातों दिन ऑपरेशनल है। विद्यार्थियों में एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए कुलपति ने कार्यकारी परिषद के माध्यम से सभी कॉलेज प्रिंसिपलों को आह्वान किया कि प्रत्येक कॉलेज में एक-एक इनक्यूबेटर जरूर स्थापित किया जाए और अपने यहां सेक्शन- 8 कंपनी भी स्थापित करें।

करोड़ो की लागत की परियोजनाएं प्रगति पर

कुलपति ने बताया कि करीब 1912 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 17 प्रोजेक्टों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ढाका परिसर में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण होगा। डीयू के दक्षिण परिसर में एसपी जैन, एफएमएस के पार्किंग क्षेत्र में नए शैक्षणिक भवन का निर्माण होगा। ढाका परिसर स्थित विश्वविद्यालय भवन/छात्रावास का संरचनात्मक लेखा-परीक्षण। उत्तरी और दक्षिणी परिसर में रेस्को मॉडल पर सौर संयंत्र की स्थापना होगी। फैकेल्टी आफ सोशल साइंस में डॉ बी आर अंबेडकर उद्यान स्थापित करने के लिए प्रपोज़ल आमंत्रित किए हैं और क्यूएस रैंकिंग में डीयू का प्रदर्शन शानदार रहा है।

कल्पवृक्ष खिल रहा है पूरी भव्यता के साथ

ऋग्वेद, पुराणों, रामायण व महाभारत में वर्णित कल्पवृक्ष प्रजाति को देखना है तो पहुंचे स्वर्ण जयंती पार्क

सत्यप्रकाश ⏭ नई दिल्ली

कल्पवृक्ष, एक ऐसा वृक्ष जिसे शायद बहुत कम लोगों ने ही देखा होगा, लेकिन नाम कहीं न कहीं जरूर सुना होगा। कल्पवृक्ष को ऋग्वेद, पुराणों, रामायण व महाभारत के कालखंड के समय से ही धार्मिक महत्व से जुड़ा देव वृक्ष भी कहा जाता है। दिल्ली में इन दिनों ऐसा ही एक सुंदर व पूरी तरह से खिला हुआ कल्पवृक्ष राजधानीवासियों को पुकार रहा है। अगर आप कल्पवृक्ष को देखने की इच्छा रखते है तो फिर रोहिणी स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में आप बड़े आराम से कल्पवृक्ष को देख सकते है। बाकायदा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) लोगों से अपील कर रहा है कि आईए और बेहद नजदीक से सांस्कृतिक विरासत के इस वृक्ष का आनंद लें। डीडीए से मिली जानकारी अनुसार शाश्वत दाता, आशा और सद्भाव का प्रतीक, कल्पवृक्ष अब पूरी भव्यता के साथ पार्क में खिल रहा है। पौराणिक मान्यताओं अनुसार कल्पवृक्ष को इच्छाओं की पूर्ति करने वाला यह वृक्ष, समृद्धि, दीर्घायु और प्रचुरता का शाश्वत प्रतीक है।

पौराणिक कथाओं में निहित और ऋग्वेद, महाभारत और पुराणों में वर्णित, यह पवित्र वृक्ष न केवल एक वनस्पति चमत्कार है, बल्कि भारतीय विरासत की आत्मा भी है।

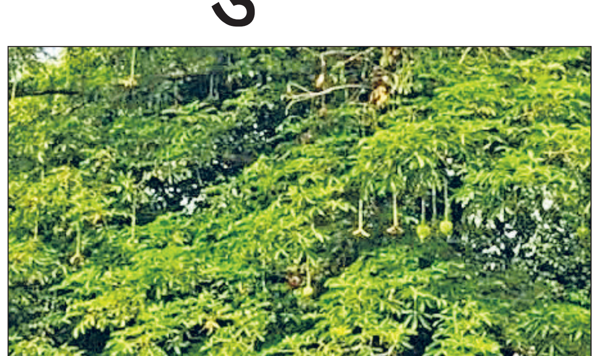

डीडीए का कहना है कि ऐसे वृक्ष को पूर्ण रूप से खिलते हुए देखना है तो रोहिणी सेक्टर-10 स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में आइए और भरपूर तरीके से निहारिए, देखिए।

कल्पवृक्ष को हिंदू मान्यताओं में क्यों माना जाता है सबसे खास

वन संपदा को छोड़ दे तो हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जिस समय देवताओं और दानवों के बीच समुद्र मंथन हुआ था, उस दौरान जो 14 रत्न निकले थे, उनमें से एक रत्न के रूप में कल्पवृक्ष भी निकला था। हिंदू कल्पवृक्ष को इच्छापूर्ति करने वाला वृक्ष मानता है। यही कारण है कि कल्पवृक्ष हजारों वर्षों बाद भी लोगों की आस्था का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक आस्था के अलावा यह वृक्ष अपने भरपूर औषधीय गुणों के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। कल्पवृक्ष को मंकी ब्रेड वृक्ष, बओबाब वृक्ष, देव वृक्ष, कल्पतरू आदि नामों से भी जाना जाता है। भारत में इनकी संख्या काफी कम है, जिसमें दिल्ली के अलावा कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, रांची, अल्मोड़ा, काशी, नर्मदा किनारे, और कर्नाटक आदि शामिल है।

हजारों वर्ष की आयु वाले कल्पवृक्षों की संख्या दिल्ली में तीन-चार ही है?

बताया जाता है कि 3000-6000 वर्ष तक की आयु वाले कल्पवृक्षों की संख्या दिल्ली में महज तीन-चार ही है। इनमे से इस समय एक स्वर्ण जयंती पार्क रोहिणी में फलफूल रहा है। वहीं दिल्ली के चिड़ियाघर में दो कल्पवृक्ष बताए गए है, वर्ष 2008 में एक सर्वे के दौरान प्रशासन को पता चला था कि यहां कल्पवृक्ष के तीन वृक्ष थे। लेकिन इनमें से एक सुख चुका था, दो मौजूद थे। वहीं एक वृक्ष इंडिया गेट के पास बताया जाता था, जो शायद अब नहीं है। हालांकि इस वृक्ष को धरती पर सबसे ज्यादा वर्षों तक जिंदा रहने वाले वृक्षों में से एक माना जाता है।

खबर संक्षेप

लोन पास कराने के नाम पर हजारों की ठगी

गुरुग्राम। मानेसर साइबर क्राइम थाना एरिया में जालसाजों ने क्रेडिटबी से लोन पास कराने के नाम पर एक युवक से 62,885 रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। भोड़ाकलां निवासी मनोज कुमार ने 26 जून को उसके मोबाइल पर कॉल आई थी। कॉलर खुद को क्रेडिटबी का कर्मचारी बताते हुए मनोज से कहा कि उनका 70 हजार रुपए का लोन पास हो गया है।

तस्कर को क्राइम ब्रांच की टीम ने किया दबोचा

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने आरोपी सद्धाम हुसैन को नशा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 11 जुलाई को क्राइम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने गस्त के दौरान गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए सद्धाम हुसैन निवासी नेहरु कालोनी फरीदाबाद को मुल्ला होटल के नजदीक एनआरईटी-3 के पास से काबू कर 8.92 ग्राम स्मैक बरामद की।

बोलेरो की टक्कर से डिलीवरी ब्वाय की मौत

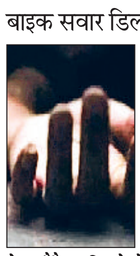

गुरुग्राम। राजेंद्रा पार्क थाना एरिया में तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार डिलीवरी ब्वाय की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और कार्रवाई शुरु कर दी। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के दखनाई गांव के रहने वाले 26 वर्षीय शिवमकांत गुरुग्राम में रहता था। ब्लिंकिट कंपनी में डिलीवरी ब्वाय का काम करता था। शुक्रवार रात करीब नौ बजे बाइक लेकर द्वारका एक्सप्रेसवे पर जा रहा था। सोसाइटी के पास पीछे से तेज रफ्तार आई बोलेरो ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

मेरठ साउथ नमो भारत स्टेशन पर खुले खाद्य एवं पेय पदार्थ, लुत्फ उठा रहे यात्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

एनसीआरटीसी ने नमो भारत कॉरिडोर पर यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अब मेरठ साउथ स्टेशन पर भी यात्रियों के लिए कोका कोला हैप्पीनेस स्टेशन, अमूल और दी-रैपिड कैफे तीन खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स की शुरुआत की है। यात्री यहां स्वादिष्ट स्नैक्स और उच्च गुणवत्ता वाले पेय पदार्थों का लुत्फ उठा सकते हैं।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर पर इससे पहले साहिबाबाद, गाजियाबाद, आनंद विहार और दुहाई जैसे प्रमुख स्टेशनों पर खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स पहले से ही उपलब्ध हैं। अब मेरठ साउथ स्टेशन पर इन खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स के खुलने के साथ ही यह स्टेशन यात्रियों के लिए और अधिक सुविधाजनक बन गया है। ये सभी आउटलेट्स स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल के नॉन रेवेन्यू एरिया में स्थित हैं। इसके साथ ही यहां भविष्य में अन्य प्रतिष्ठित ब्रांड्स के आउटलेट्स शुरू करने की भी योजना है।

खास बातें
- सुविधाओं में बढ़ोतरी की दिशा एक कदम
- तीन खाद्य एवं पेय आउटलेट्स की शुरुआत हुई
- यात्रियों के लिए स्टेशन बना सुविधाजनक

स्वादिष्ट स्नैक्स और उच्च गुणवत्ता वाले पेय पदार्थ उपलब्ध

उन्होंने बताया कि एनसीआरटीसी द्वारा इन खाद्य एवं पेय (एफ एंड बी) आउटलेट्स ब्रांड्स के साथ की गई यह रणनीतिक साझेदारी, यात्रियों और स्थानीय निवासियों को विश्वसनीय, स्वादिष्ट और सुरक्षित खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में एक अहम प्रयास है। इन आउटलेट्स पर लस्सी, बटरमिल्क, आइसक्रीम, घी, दूध, चॉकलेट्स, प्रोटीन ड्रिंक, जूस, फ्रेश स्वीट्स के साथ-साथ बर्गर, वेज रोल्स और पिज्जा जैसे ताजे फास्ट फूड-स्नैक्स व विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थ उपलब्ध हैं।

आने वाले समय में स्टेशनों पर फास्ट फूड चेन, कैफे आदि भी दिखाई देंगे

एनसीआरटीसी का प्रयास है कि नमो भारत से यात्रियों के लिए यात्रा को सिर्फ तेज और सुरक्षित ही नहीं, बल्कि सुविधाजनक और संतुलित भी बनाया जाए। इसी उद्देश्य के तहत अन्य एफएमसीजी और फूड ब्रांड्स के आउटलेट्स को भी स्टेशनों के पेड व नॉन पेड एरिया में स्थान देने की प्रक्रिया चल रही है। आने वाले समय में स्टेशनों पर फास्ट फूड चेन, कैफे, कन्विनियंस स्टोर्स, फार्मेसी, रिफ्रेशमेंट स्टॉल, बुकस्टोर और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स के आउटलेट्स भी दिखाई देंगे।

आरोपी के भाई विजय ने मीडिया के सामने आकर बयान दिया

टेनिस खिलाड़ी राधिका का हत्यारोपी पिता पहुंचा जेल

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

टेनिस खिलाड़ी राधिका की गोली मारकर हत्या करने के मामले में आरोपी पिता को एक दिन का रिमांड पूरा होने के बाद अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मर्डर के बाद पश्चाताप की आग में जल रहे आरोपी ने अपने भाई से कहा कि उससे कन्या वध हुआ है। उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। वहीं इस केस में राधिका की खुद की एकेडमी नहीं थी। वह टेनिस कोर्ट किराए पर लेकर बच्चों को टेनिस की कोचिंग देती थी। उसने आखिरी बार ग्राउंड कॉर्डिनेटर को मैसेज किया था।

मैने कन्या वध किया है भाई फांसी की सजा मिले

राधिका हत्याकांड के तीसरे दिन आरोपी के भाई विजय ने मीडिया के सामने आकर बयान दिया है। विजय ने बताया कि राधिका की हत्या करने के बाद जब वह दीपक के पास पहुंचे तो दीपक ने उनसे कहा कि भाई मैने कन्या वध किया है मुझे फांसी होनी चाहिए। हालांकि दीपक ने राधिका की हत्या के कारणों का खुलासा नहीं किया, लेकिन जिस टेनिस एकेडमी को बंद करने की बात चल रही है वह टेनिस एकेडमी है ही नहीं। जब कोई एकेडमी ही नहीं है तो बंद किसे करें। राधिका को एक अच्छी प्लेयर थी और वह कोचिंग देने के लिए जाती थी। दीपक अपनी बेटी से बहुत प्यार करता था, लेकिन आखिर ऐसी क्या स्थिति बनी कि उसे अपनी ही बेटी की हत्या करनी पड़ी।

खास बातें
- भाई से कहा कि मैंने कन्या वध किया है- फांसी होनी चाहिए
- मॉडल बनना चाहती थी राधिका, एड के लिए भी आ रहे थे ऑफर
- राधिका को टेनिस में आगे बढ़ाने में दीपक ने ही लगाए थे तीन करोड़

राधिका को टेनिस में आगे बढ़ाने में दीपक ने ही लगाए थे तीन करोड़

विजय ने मीडिया को बताया कि राधिका को टेनिस में आगे बढ़ाने के लिए दीपक ने कड़ी मेहनत की। दीपक कहता था कि जब राधिका का नाम रोशन होगा तो ही उनका नाम रोशन होगा। उसे अच्छा खिलाड़ी बनाने में वह करीब तीन करोड़ रुपए खर्च कर चुका था। विजय ने बताया कि जब राधिका को गाड़ी चलानी नहीं आती थी तो दीपक ही उसे गाड़ी में लेकर जाता था। अब राधिका गाड़ी चलाना सीख गई तो अब मां साथ जाती थी।

मॉडल बनना चाहती थी राधिका

विजय ने राधिका की रील को लेकर कहा कि राधिका की मौत के बाद ही उन्हें रील का पता लगा, लेकिन यह रील दो साल पहले माता-पिता की सहमति से ही बनाई गई थी। राधिका मॉडल भी बनना चाहती थी, लेकिन दीपक कहता था कि पहले टेनिस में अपना करियर स्टेबल कर ले और बाद में मॉडल भी बन जाना। हालांकि राधिका को कुछ एड फिल्म के लिए ऑफर भी आए थे, लेकिन उसने मना कर दिया।

बेटी भी गई और भाई भी चला गया

विजय ने कहा कि वह काफी दुखी हैं। बेटी भी चली गई और भाई भी चला गया। कमरे में क्या बात हुई ये किसी को नहीं पता। दीपक ने उसे पीछे से गोली मारी, सामने होता तो आंखों से आंखे मिल जाती। आंखों से आंखे मिलाता तो वह गोली भी न मार पाता।

ग्राउंड कॉर्डिनेटर को किया आखिरी मैसेज

वहीं, इसी बीच राधिका का आखिरी मैसेज पुलिस को मिला है जिसमें राधिका ने ग्राउंड कॉर्डिनेटर संदीप को लिखा था कि कल ग्राउंड खेलने लायक है तो वह कल ग्राउंड आएगी, लेकिन शायद राधिका को यह नहीं पता था कि जिस खेल ओर खेल के मैदान से वो इतना प्यार करती है उस खेल को वह कभी खेल नहीं पाएंगी। उसकी जिंदगी का आखिरी लम्हा उसके पिता के हाथों ही खत्म हो जाएगा।

समय की पाबंद थी राधिका

वहीं, साथी खिलाड़ियों की मानें तो राधिका यादव टेनिस से इतना प्यार करती थी कि अपने स्टूडेंट को अकेडमी में जब भी टेनिस की ट्रेनिंग देने जाती तो खुद समय से पहले पहुंच जाती थी। यही नहीं चेहरे पर उत्साह और जोश के साथ टेनिस खेलती थी और सिखाती भी थी। राधिका कभी भी टेनिस को नहीं छोड़ना चाहती थी, क्योंकि टेनिस के खेल ने ही राधिका को देश विदेश तक पहचान दिलाई।

पिता व पुलिस की थ्योरी पर नहीं है यकीन

गुरुग्राम में हुए टेनिस प्लेयर एवं कोच राधिका की हत्या मामले में भले ही पिता ने ग्रामीणों के ताने दिए जाने से खफा होकर बेटी की हत्या करने की बात कबूली हो, लेकिन इस थ्योरी पर हर कोई यकीन नहीं कर रहा। लोगों का कहना है कि कोई ऐसी बात है जिसे दीपक यादव दबा रहे हैं। आर्थिक रूप से संपन्न दीपक यादव स्वयं ही अपनी बेटी को खेल में आगे बढ़ा रहे थे, तो ऐसे में उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि वह अपनी बेटी को टेनिस अकेडमी बंद करने के लिए दबाव बना रहे थे। यहां बता दें कि नेशनल लेवल की टेनिस खिलाड़ी 25 वर्षीया राधिका यादव अपने परिवार सहित गुरुग्राम के सेक्टर 57 स्थित सुशांत लोक फेस टू एरिया में रह रही थी। राधिका यादव टेनिस अकेडमी भी चला रही थी। बताया जा रहा है कि अकेडमी चलाने से खफा राधिका के पिता दीपक यादव व उसके बीच वीरवार को बहस हुई। जिसके बाद तैश में आकर दीपक ने अपनी बेटी पर लाईसेंसी हथियार से गोलियां चलाकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी 49 वर्षीय दीपक को गिरफ्तार कर लिया।

निगम कमिश्नर के निर्देशों पर हाईवे से निकाला बरसाती पानी

बरसात में जल भराव की निकासी को लेकर अधिकारी सख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बरसात के कारण नेशनल हाईवे पर हो रहे जगह-जगह जल भराव और शहर में अन्य स्थानों पर जल भराव की स्थिति का जायजा लेने मौके पर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा स्वयं पहुंचे उनके साथ जिला फरीदाबाद प्रशासन की तरफ से बनाई गई संयुक्त टीम भी साथ रही। फरीदाबाद बदरपुर बॉर्डर से लेकर सीकरी तक जहां से भी जलभराव की शिकायतें आई थी उन सभी स्थानों का निरीक्षण करते हुए बरसात के पानी को निकालने के निर्देश दिए गए।

नेशनल हाईवे, एचएसवीपी, निगम और एफएमडीए सहित अन्य सभी अधिकारियों के साथ मौके पर साथ रहे। निगम कमिश्नर द्वारा दिए गए आदेशों के बाद नेशनल हाईवे पर संत सूरदास मेट्रो स्टेशन से लेकर बल्लभगढ़ तक नेशनल हाईवे पर भरे हुए पानी को निकाला गया इसके अलावा सीकरी सर्विस रोड से भी जल निकासी की गई और बड़े-बड़े गड्ढों में रोड़ी मिक्चर डालकर भरा गया ताकि बारिश में लोगों परेशानी ना आए।

निगम नागरिकों की समस्याओं को दूर करने का कार्य कर रहा है

नगर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने कहा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर फरीदाबाद प्रशासन पूरी तरीके से फरीदाबाद के नागरिकों की सभी समस्याओं को दूर करने का कार्य कर रहा है, कुछ स्थान ऐसे हैं अभी जहां पर पानी निकासी में समय लग रहा है लेकिन संबंधित विभागों की टीम में अपने-अपने निर्धारित स्थान पर कार्य कर रही है। जनता से अपील की है कि वह बरसात के मौसम में सावधानी बरतते हुए घरों से बाहर निकले। प्रोजेक्ट डायरेक्टर धीरज सिंह,ननि के चीफ विवेक गिल, अधीक्षण अभियंता ओमवीर सिंह, एफएमडीए के कार्यकारी अभियंता अंकित भारद्वाज सहित हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ओर सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यकारिणी की बैठक में लिए अहम फैसले

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को अब जाट समाज देगा 3100 रुपए: मलिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सैक्टर-16 स्थित किसान भवन में जाट समाज फरीदाबाद की हुई कार्यकारिणी की बैठक में समाजोत्थान हेतु कई अहम फैसले लिए गए तथा पुराने कार्यों की समीक्षा भी की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के प्रधान एवं पूर्व आईएएस जेपीएस सांगवान ने की। इस अवसर पर संस्था के महासचिव एवं पूर्व सीडब्ल्यूसी के चेयरमेन एचएस मलिक का 72वां जन्मदिन भी मनाया गया। सभी कार्यकारिणी के सदस्यों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित की तथा कहा कि आप इसी तरह समाज के कार्यों में कार्य करते रहे। एचएस मलिक ने बताया कि बैठक में फैसला लिया गया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 10वीं कक्षा बोर्ड में अपने स्कूलों में प्रथम आने वाले छात्र-छात्राओं को

सम्मानित करने पर दिए जाने वाली नकद राशि अब 2100 रुपए से बढ़ाकर 3100 रुपए कर दी जाएगी। बच्चों को 3100 रुपए के साथ-साथ संस्था का प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष बुजुर्गों का सम्मान अलग-अलग स्थानों पर किया जाता रहा है। अब वह सम्मान समारोह भव्य रुप से किसान भवन में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि देश के महापुरूषों, शहीदों की जयंतियों पर भी कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे। सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

कॉलम के लिए खोदे गड्ढे में मिट्टी ढही, एक वर्षीय बच्चे की मौत

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर-46 में एक निर्माणाधीन मकान में कॉलम के लिए खोदे गए गड्ढे में मिट्टी ढह गई, जिसमें दो बच्चे दब गए। दोनों बच्चों को नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 में पहुंचाया गया, जहां एक वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दूसरा सुरक्षित बचा लिया गया। इस संबंध में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-50 थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर-46 में एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां मध्यप्रदेश के रहने वाले लेबर व मिस्त्री काम कर रहे थे। उनके दो बच्चे एक तीन वर्षीय व एक वर्षीय दोनों गड्ढे में लेटे हुए थे। कॉलम के लिए खोदे गए गड्ढे की मिट्टी अचानक ढह गई और बच्चों के ऊपर आग गिरी, जिससे दोनों बच्चे दब गए। दोनों बच्चों को रेस्क्यू कर निकाला और सेक्टर-10 के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। जहां एक वर्षीय अभिषेक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा सुरक्षित बच गया।

क्लब ने महिलाओं को कैल्शियम टैबलेट्स व सिरप वितरित किए

रोटरी क्लब ऑफ गाज़ियाबाद सफायर ने कुशल्या आंगनबाड़ी में किया समाजसेवी प्रोजेक्ट का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

रोटरी क्लब ऑफ गाज़ियाबाद सफायर ने कुशल्या गांव आंगनवाड़ी केंद्र में समाजसेवी प्रोजेक्ट का आयोजन किया। जिसमें क्लब की ओर से सभी महिलाओं को कैल्शियम टैबलेट्स, आयरन टैबलेट्स, एवं कैल्शियम सिरप वितरित किए गए। साथ ही दीपा गर्ग के सौजन्य से दलिया और दाल के पैकेट्स भी महिलाओं को भेंट स्वरूप प्रदान किए गए। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष रिया गोयल, सचिव पूर्ति बंसल, और कोषाध्यक्ष अलका गर्ग सहित कुल 13 सदस्य उपस्थित रहे। आंगनवाड़ियाँ क्लब की ही सदस्य दीपा गर्ग एवं रक्तोका सिंघल द्वारा गोद ली गई हैं। इस अवसर पर बच्चों के लिए डेंटल टॉक का आयोजन किया गया, जिसमें क्लब की सदस्य एवं डॉक्टर पूर्ति

बंसल ने बच्चों को दाँतों की सफाई, ब्रश करने की विधि तथा दंत स्वच्छता से संबंधित आवश्यक जानकारियाँ दीं। साथ ही, क्लब की सदस्य डाइटीशियन अमीता गर्ग द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी उपयोगी जानकारी साझा की गई। उन्हें बताया गया कि इस विशेष समय में क्या खाना चाहिए जिससे माँ और बच्चे दोनों स्वस्थ रहें। सदस्य पारुल गोयल के सौजन्य से लगभग 100 बच्चों को रेनकोट वितरित किए गए।

अनुकूल विकल्प अपनाने का संदेश दिया

प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का संदेश प्रमुखता से दिया गया। इसमें विशेष रूप से निशा गर्ग, रिंकी अग्रवाल, किरण गोयल, विनीता भार्गव, पारुल गर्ग, राधना आनन्द, चारु चंदाना, मनीषा गर्ग आदि उपस्थित रहीं और आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा भावना के साथ इस प्रोजेक्ट को सफल बनाया।

आरोपी खाताधारक गिरफ्तार

स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर 81 लाख रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर 81, 25, 000 रुपए की ठगी करने के आरोपी खाताधारक को साइबर थाना सैंट्रल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खाते में ठगी के 20 लाख रुपए आए थे। सेक्टर 19 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सैंट्रल में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पास व्हाट्सएप पर एक नंबर से मैसेज आया जिसने लिडिया शर्मा नाम से स्वंय का परिचय दिया और विदेशी निवेश पोर्टफोलियो से जुडी हुई है। जिसके बाद उसे वीआईपी64 और एलीट एक्सचेंज सेंटर नामक दो व्हाट्सएप ग्रुपों में जोड़ा, जहां वह निवेश के नाम पर स्टॉक मार्केट में निवेश पर विभिन्न पोस्ट डालती थी फिर उसने शिकायतकर्ता को वेबसाइट पर पंजीकरण कर ट्रेडिंग के लिए कहां तथा निवेश राशि का 3 गुना रिटर्न देने के एवज में शिकायतकर्ता से स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर विभिन्न ट्रांजेक्सन के जरिए कुल 81,25,000 रुपए ठग लिए। मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने बिरेन्द्र सिंह निवासी इंदिरापुरम गाजियाबाद उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

उत्तर रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

रेलवे लाइनों और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उत्तर रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 25 के.वी., 50 हर्ट्ज, ए.सी.शिरोपरी कर्षण तारों को खंड के सामने निर्दिष्ट तिथि पर या उसके बाद विद्युतीकृत किया जाएगा। उस तारीख और उसी तारीख से शिरोपरी कर्षण तारों को हर समय विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त शिरोपरी कर्षण तारों के पास न तो पहुंचेगा और न ही काम करेगा।

खंड	TKM (दिनांक)
"दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे के दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन के प्रस्तावित इलेक्ट्रिक लोको आउट पिट शेड के पास 25 केवी सिंगल फेज एसी नव विद्युतीकृत स्टेबलिंग लाइन संख्या 2 का स्थान KM ST/06 (Ch: 4/602) से स्थान 4/38A (Ch.: 4/923.50) तक विद्युतीकरण, जिसमें संबंधित टर्न आउट और क्रॉस–ओवर में संशोधन शामिल है।	0.321 14.07.2025

No. Dy CPM/Elect/GSU/NDLS/01 2111/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने की मीटिंग, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

कांवड़ यात्रा के लिए रोड मैप तैयार, 1500 से अधिक पुलिस कर्मचारी ड्यूटी पर रहेंगे तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बीती 11 जुलाई से श्रावन माह आरंभ हो गया है। इसी माह में 23 जुलाई को शिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा शिव मंदिरो में जल अर्पित किया जाएगा। इस दौरान हजारों की संख्या में कावड़ यात्री, श्रद्धालु हरिद्वार, नीलकंठ से पवित्र गंगाजल लाते है और अपने क्षेत्रों के शिवालयों में जलाभिषेक करते है। जिस संबंध में फरीदाबाद में यातायात व कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने जिला फरीदाबाद के सभी डीसीपी, एसीपी एवं थाना प्रबंधकों के साथ की मीटिंग कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

कांवड़ शिविरों, लंगरों वाले स्थानों पर निगरानी रखने पुलिस बल तैनात किया

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कावड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस उपायुक्त यातायात जयवीर राठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा तीनों जोन के डीसीपी को अपने-अपने जोन का इंचार्ज बनाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग व जिन स्थानीय मार्ग से श्रद्धालुओं का अवागमन होगा, उन मार्गों पर पुलिस गश्त बढ़ाई गई है। कांवड़ यात्रा के रास्ते में आने वाले सभी शराब के ठेके, पैट्रोल पंपों की मैपिंग की जाकर आस-पास के क्षेत्र में भी गश्त बढाई जाएगी ताकि यात्रा का ठीक प्रकार से समापन हो सके। कांवड़ शिविरों, लंगरों वाले स्थानों पर निगरानी रखने के लिए पुलिस बल नियुक्त किया गया है।

कांवड़ यात्रा के लिए मुख्यतः 3 मार्ग होंगे

कावड़ यात्रा के लिए मुख्यतः तीन मार्ग होंगे। क्रमशः मार्ग नंबर 1 कालिंदी कुंज दिल्ली से वाया आगरा कैनाल के साथ साथ, मार्ग नंबर 2 बदरपुर बॉर्डर दिल्ली से प्रवेश करने के बाद आउटर बाईपास (वडोदरा मुंबई एक्सप्रेस वे), मार्ग नंबर 3 बदरपुर बॉर्डर दिल्ली से प्रवेश करने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग कांवडियों की यात्रा के लिए चिन्हित किए गए है इन मार्गो पर संबंधित थाने की टीमें लगातार गस्त करती रहेंगी, साथ ही कुडंली-गाजियाबाद-पलवल रोड़ पर स्पेशल मोबाइल पार्टी गश्त करेगी।

शहर में कावड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए 25 नाके दुर्गा बिलडर मुंबई वडोदरा एक्सप्रेस वे पर चढने से पहले, आगरा कैनाल मार्ग पर नाका दुर्गा बिल्डर, सेहतपुर पल्ला पुल, पल्ला पुल, एत्मादपुर पुल, सेक्टर-28-29 पुल, खेडीपुल, सैक्टर.17 पुल, सैक्टर.14 पुल, बीपीटीपी पुल, बडौली पुल, सैक्टर-8 पुल, तिगांव पुल, आईएमटी पुल, चन्दावली पुल, सुनपेड़ पुल, जाट चौक, मलेरना चौक, जाजरु चौक, शाहुपुरा कलां, शाहपुरा मोड़, डीग पुल, प्याला मोड, सीकरी चौकी के पास तथा कैली बाईपास नजदीक देवांश गार्डन पर नाके लगाये गये हैं। कांवड यात्रा मार्ग पर 12 एम्बुलेंस, 8 फायर ब्रिगेड तथा 8 क्रेन अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेगी। फरीदाबाद पुलिस पैनी नजर रखे हुए है। सभी थाना प्रबंधक ईलाका क्षेत्र में रहने वाले अपराधिक किस्म के व्यक्तियों सूची तैयार कर उन पर निरन्तर निगरानी रखेगें। पैदल महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए रास्ते में और कावडिया शिविर में भी विशेष ड्यूटी लगाई गई हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **फैज़ान** पुत्र रजी, निवासी- झुग्गी ई-44, नई सीमापुरी, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 968/2014 धारा 451/380/411 भा.द.स, थाना सीमापुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फैज़ान** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फैज़ान** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **फैज़ान, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 968/2014 धारा 451/380/411 भा.द.स, थाना सीमापुरी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप एलडी
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी
शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/9025/SHD/2025

खबर संक्षेप

शहीद हो जाऊंगा लेकिन मराठी नहीं बोलूंगा

पटना। महाराष्ट्र में गैर-मराठी भाषियों पर हो रहे विवाद पर भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। बिहार के काराकाट से लोकसभा चुनाव लड़ चुके पवन सिंह ने राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को दो-टूक जवाब दिया है। कहा कि चाहे उनकी जान चली जाए, वे 'शहीद' हो जाएं, लेकिन मराठी नहीं बोलेंगे। भले ही उन्हें मराठी नहीं आती, लेकिन वह मुंबई में काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

झारखंड में 5 दिन लगातार होगी झमाझम बारिश

रांची। झारखंड के मौसम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

मौसम विभाग ने राजधानी समेत राज्य के अलग-अलग जिलों में अगले पांच दिनों तक बारिश होने का अनुमान जताया गया है। झारखंड में कहीं-कही भारी बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात होने के येलो अलर्ट की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार झारखंड में साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण अगले चार दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है।

प्रशिक्षु महिला सिपाही रानू जादौन ने दी जान

एटा। यहां जलेसर की रहने वाली रानू जादौन (23) ने पुलिस कांस्टेबल की ट्रेनिंग के दौरान

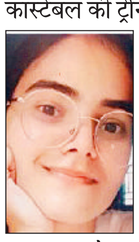

कन्नौज में खुदकुशी कर ली। खबर मिलते ही परिजन भौचक रह गए। खबर मिलने पर परिवार के सभी सदस्य कन्नौज को रवाना हो गए। परिजन ने बताया रानू पढ़ने में तेज थी और यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। पुलिस कांस्टेबल में चयन होने पर रानू ट्रेनिंग पर चली गई। वह घर से 17 जून को गई थी।

प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को बताया 1971 के बाद भारत का पाकिस्तान पर सबसे बड़ा हमला

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पोषित आतंकियों के खिलाफ भारतीय सेना के सफल ऑपरेशन को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भी बदलते भारत का साक्षी है। जिसे हमारी बहादुर सेना ने अंजाम दिया है। ऑपरेशन सिंदूर सन 1971 के बाद पाकिस्तान पर सबसे सटीक और माकूल हमला है

एजेंसी ⏭ लखनऊ

नरेन्द्र मोदी सरकार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे। उनका एअरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के ऐशबाग रामलीला मैदान के सभागार में भाजपा मंडल चार के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण आज दुनिया में भारत के प्रति धारणा बदली है। धन दौलत के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ा है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में भारत ग्यारहवें नंबर पर था। आज तेजी से छलांग लगाकर भारत की अर्थव्यवस्था चौथे स्थान पर आ गई है। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन वर्ष में हम तीसरे नंबर पर होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर भी बदलते भारत का साक्षी

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पोषित आतंकियों के खिलाफ भारतीय सेना के सफल ऑपरेशन को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भी बदलते भारत का साक्षी है। जिसे हमारी बहादुर सेना ने अंजाम दिया है। ऑपरेशन सिंदूर सन 1971 के बाद पाकिस्तान पर सबसे सटीक और माकूल हमला है। रक्षा मंत्री ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही सांसद, विधायक और पार्षद बनाते हैं, उनको पूरा सम्मान दीजिए। कार्यकर्ता भी वार्ड में अपने आसपास रहने वालों के सुख दुख में शामिल हों। उनमें सत्ता के रुतबे का भाव न हो, विनम्रता और शालीनता बनाए रहें। उन्होंने कहा कि लखनऊ के गोमती नगर जैसा रेलवे स्टेशन भारत ही नहीं पूरे एशिया में देखने को नहीं मिलेगा। लखनऊ जैसा एयरपोर्ट कहीं नहीं है। चारबाग की सेकेंड एंट्री का काम भी 80 प्रतिशत पूरा हो गया है।

रक्षा मंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ किया संवाद

रक्षा मंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उनका हालचाल पूछा और समस्याएं भी जानी। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य डा.दिनेश शर्मा, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल और पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित थे।

गुरु तेग बहादुर को याद कर बलरामपुर धर्मांतरण पर बोले सीएम योगी

राष्ट्रविरोधी साजिशों को करना है नाकाम, सतर्क रहने की अपील की

बलरामपुर अवैध धर्मांतरण केस को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। गुरु तेग बहादुर महाराज के 350वीं शहीदी दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने बड़ी बात कही है।

एजेंसी ⏭ लखनऊ

यूपी के बलरामपुर में सामने आए बड़े धर्मांतरण रैकेट को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। बिना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा, नीतू उर्फ नसरीन का नाम लिए उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण को राष्ट्रविरोधी साजिश करार देते हुए कहा कि इस तरह के दुश्मनों को नाकाम करना सभी की जिम्मेदारी है। सिख गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री गुरु तेग बहादुर संदेश यात्रा के स्वागत एवं अभिनंदन के लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम को सीएम योगी ने संबोधित किया।

इस मौके पर उन्होंने बलरामपुर में अवैध धर्मांतरण गैंग का खुलासा मामले में कहा कि हम राष्ट्रविरोधी साजिशों का पर्दाफाश कर रहे हैं। देश का स्वरूप बदलने की कोशिश की जा रही है। भय और लालच देकर लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा है। यह एक गंभीर षड्यंत्र है। सीएम ने बताया कि आरोपी को विदेश से फंडिंग मिल रही थी। उसने बाकायदा धर्मांतरण के लिए 'रेट' तय कर रखे थे। प्रारंभिक जांच में करीब 100 करोड़ रुपए के संदिग्ध ट्रांजेक्शन का पता चला है, जिससे मामला और भी गंभीर होता जा रहा है।

आरोपी को मिल रही थी विदेश से फंडिंग

सनातन धर्म की रक्षा के लिए महाराज ने शहादत दी

सीएम योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने क्रूर मुगल शासक औरंगजेब के खिलाफ हथियार उठाया था। सनातन धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने अपनी शहादत दी। औरंगजेब जैसा क्रूर और बर्बर शासक उस समय सनातन धर्म पर अत्याचार कर रहा था। उसका उद्देश्य सनातन धर्म को खत्म कर इस्लामीकरण करना था। उसे सबसे पहले चुनौती गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने दी। उन्होंने मुगल शासक क चुनौती को स्वीकार किया। सारी सीमाओं को तोड़ दिया गया। औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर जी महाराज को इस्लाम स्वीकार करने के लिए दबाव बनाया, लेकिन वह अपने धर्म से कतई विचलित नहीं थे।

शहादत की परंपरा पर खड़ी है भारत की नई पीढ़ी

सीएम योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज की शहादत आने वाली पीढ़ी के लिए एक नई प्रेरणा भी देती है। यही शहादत की परंपरा है जिस पर वर्तमान भारत की नई पीढ़ी खड़ी है। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने आपको स्थापित किया है। देश और धर्म की रक्षा करने के लिए अपने आप को बलिदान करने की परंपरा ने ही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। कहा कि बड़े संगठित तरीके से धर्मांतरण का गैंग चलाया जा रहा था। हिंदुओं, ग्रामीण, क्षत्रिय, ब्रह्मण, सिख, अन्य ओबीसी जातियों और अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों को कैसे धर्मांतरित करना है, सबके रेट उसने तय किए हुए थे।

धर्मांतरण कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

सीएम योगी ने आम जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि आप लोग भी ऐसे लोगों से सजग रहिए। समाज को तोड़ने और युवाओं को बहकाने की कोशिशें की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस तरह की गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जहां कहीं भी धर्मांतरण जैसी अवैध गतिविधियां सामने आएं, त्वरित और कठोर कार्रवाई की जाए।सीएम ने कहा कि बलरामपुर केस को लेकर एटीएस और अन्य जांच एजेंसियां लगातार छानबीन में जुटी हैं। आरोपी से जुड़े नेटवर्क, पैसों के स्रोत और कथित विदेशी संगठनों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पंचकूला। मेधावी छात्र सम्मान समारोह को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

10वीं और 12वीं के 275 टॉपर सम्मानित, सीएम बोले विकसित भारत के संकल्प को साकार करें

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

- 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को 1.11 लाख दिए जाएंगे
- मुख्यमंत्री ने छात्रों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहते हुए विकसित भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री पंचकूला में 10वीं और 12वीं के प्रदेश व जिला स्तर के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी संकायों में प्रदेश स्तर व जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के वाले 275 विद्यार्थियों को सम्मानित किया व उनका हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ढांचागत सुधारों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में न केवल स्कूली शिक्षा, बल्कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी पिछले साढ़े दस वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में कार्य किया है, जिससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें और राज्य में चिकित्सकों की कमी दूर की जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 15 जिलों में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो चुके हैं तथा शेष जिलों में बन रहे है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने बेटियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हर 20 किलोमीटर की दूरी पर डिग्री कॉलेज स्थापित किए हैं।

15 लाख का सोना लेकर एक और कारीगर भागा

कारीगर 250 ग्राम सोना लेकर भाग गया था, पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ कानपुर

कानपुर से एक और कारीगर सोना लेकर भाग गया। चौक सराफा स्थित सराफा कारखाने का कारीगर करीब 150 ग्राम सोना लेकर चला गया है। पीड़ित ने शनिवार की शाम को कोतवाली में तहरीर दी है। कारीगर मूलरूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। सोने की कीमत लगभग 15 लाख रुपए है। सात जुलाई को नयागंज के सराफा कारोबारी के यहां से कारीगर 250 ग्राम सोना लेकर भाग गया था। पुलिस ने उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। मूलरूप से पश्चिम बंगाल के शुभांकर सामंता का चौक सराफा के धोबी मोहाल गर्ग मार्केट में सराफा कारखाना है। उनके मुताबिक कारखाने में पांच कारीगर काम करते हैं। वह 29 मई को पश्चिम बंगाल स्थित घर गए थे। नौ जुलाई को मेदनीपुर के श्रीरामपुर गांव का कारीगर सुजीत सामंता 150 ग्राम सोने की चेन व लॉकेट की कतरन लेकर भाग गया। 11 जुलाई को वह जब वापस आए तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। शुभांकर सामंता की सूचना पर ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा, महामंत्री पुष्पेंद्र जायसवाल और अन्य पदाधिकारी मौके पर आ गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि तहरीर मिली है। आरोपी की तलाश कराई जाएगी।

पेज एक का शेष

अनुत्तरित सवालः फ्लाइट...

से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली। इस समय तक रिपोर्ट में बोइंग 787-8 विमान और जीई जीएनएक्स -1 बी इंजन को लेकर किसी ऑपरेटर के लिए कोई चेतावनी या कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है। साथ ही रिपोर्ट में मौसम, बर्ड-हिट और सबोटाज जैसे किसी भी कारण का जिक्र नहीं है। बता दें कि 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

ये अंतिम रिपोर्ट ....

हमें उम्मीद है कि अंतिम रिपोर्ट जल्द आएगी ताकि हम किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंच सकें। इसके साथ ही नायडू ने भारतीय विमानन क्षेत्र के पायलटों और क्रू की तारीफ करते हुए कहा कि मैं पूरी तरह से मानता हूं कि हमारे पास दुनिया के सबसे बेहतरीन पायलट और क्रू हैं। ये हमारी एविएशन इंडस्ट्री की रीढ़ हैं। इसके साथ ही मंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है और अंतिम रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि उड्डयन सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रिपोर्ट की अमेरिका....

उसने इतनी विस्तृत प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की है। पीटर गोएल्ज़ कई विमान हादसों को लेकर हुई जांच का नेतृत्व कर चुके हैं। उन्होंने कहा है कि जब किसी देश की पूर्व राष्ट्रीय एयरलाइन जैसी हाई प्रोफ़ाइल कंपनी की बात होती है तो रिपोर्ट विस्तृत नहीं होती। पीटर गोएल्ज़ ने कहा कि रिपोर्ट के लिए एएआईबी की तारीफ़ की जानी चाहिए।

जांच में कर ....

इंडिया ने प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों की टीम भेजी है जो पीड़ित परिवारों को मानसिक सहयोग दे रही है।

यूनेस्को की सूची...

के मराठी लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मराठों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने मान्यता देकर सम्मानित किया है। मराठा शासकों के किले और दुर्ग के समूह को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की चुनौतियों से निपटने में कई पन्नों के दस्तावेज, एक कॉफी-टेबल बुक और उत्साही अभियान ने अहम भूमिका निभाई।

2026 से ढाई गुना ...

आव्रजन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करवाना है। लेकिन अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो हम उनके वीजा रद्द कर देंगे या उन्हें अमेरिका से निर्वासित कर देंगे। इसके अलावा अमेरिका 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' के तहत अगले साल 2026 से गैर-अप्रवासी वीजा के लिए 'इंटीग्रिटी फी' के नाम पर 250 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क वसूल करेगा।

देना पड़ेगा 250 ...

वाले लोगों में छात्र, आईटी प्रोफेशनल्स और पर्यटक शामिल हैं। वीजा इंटीग्रिटी फी के जरिए अमेरिका द्वारा इस धनराशि को वीजा आवेदकों से लिया जाएगा। जो कि वापस यानी रिफंड नहीं की जाएगी। वीजा नियमों में सख्ती के पीछे ट्रंप प्रशासन की अवैध प्रवासियों को किसी भी सूरत में बाहर का रास्ता दिखाने की नीति का हिस्सा है। बीते समय में दुनिया के कई देशों के लोगों को अमेरिका से बाहर किया गया है। जो बिना किसी वैध वीजा के वहां प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे या पहले से अवैध ढंग से अमेरिका में रह रहे थे।

भारत के लिए....

नियमों में अमेरिका की लगातार बढ़ती सख्ती देश के छात्रों के लिए चिंता बढ़ाने वाली है। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका में रहकर पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की कुल संख्या 3 लाख से अधिक है। दुनिया के किसी अन्य देश की तुलना में अमेरिका में भारतीय छात्रों का यह सबसे बड़ा समूह है। जो हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और येल जैसे प्रसिद्ध अमेरिकी विश्वविद्यालयों में शिक्षा ले रहे हैं।

अमेरिका का वीजा ....

अधिकारियों को आसानी होगी। किसी भी वीजा आवेदक द्वारा अपने बारे में गलत जानकारी देने या सोशल मीडिया पर किसी भी तथ्य को छुपाने की स्थिति न केवल उसे दिया गया अमेरिका का वीजा रद्द किया जा सकता है। बल्कि संबंधित व्यक्ति को भविष्य में भी अमेरिकी वीजा हासिल करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। दूतावास ये भी साफ कर चुका है कि अमेरिका का वीजा किसी के लिए कोई अधिकार नहीं, विशेषाधिकार है। जिसे प्राप्त करने के लिए अमेरिकी कानूनों का अनिवार्य रूप से पालन करना पड़ेगा।

कांवड़ यात्रा को लेकर बोले मौलाना शहाबुद्दीन

यूपी सरकार की गाइडलाइन पर अमल करे मुस्लिम समाज

एजेंसी ⏭ बरेली

मोहर्रम के बाद अब कांवड़ यात्रा में दो मजहब के बीच सौहार्द की मिसाल बना जोगीनवादा पर आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि मुस्लिम समाज के लोग यूपी सरकार की गाइड लाइन पर अमल करें। एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि सावन का महीन शुरू हो गया है। हमारी यही जिम्मेदारी बनती है कि जैसे मोहर्रम भाईचारे के माहौल में निपट गए उसकी तरह कांवड़ यात्रा सम्पन्न हो। हुकूमत की गाइडलाइंस पर अमल करते हुए, सभी लोगों ने अपने जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

मौलाना ने कहा मुस्लिम त्योहारो के दौरान पुलिस व प्रशासन की व्यवस्थाएं चुस्त और दुरुस्त रही, हमें उम्मीद है कि अब कांवड़ यात्रा के दिनों में भी व्यवस्थाएं अच्छी रहेगी। कहीं रास्ते में कोई घटना न हो और कोई विवाद उत्पन्न न हो इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। मौलाना ने कहा कि बरेली का 32 साल पुराना जोगी नवादा का विवाद पुलिस व प्रशासन ने सुलझा दिया। ये एक नजीर बना है। यहां के रास्ते को लेकर हमेशा दोनों समुदाय के दरमियान विवाद हो जाता था, मगर पुलिस अधिकारियों ने दोनों समुदाय से बातचीत करके एतिहासिक समझौता करा दिया।

झारखंड में जल्द लागू होगी कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025

एंबुलेंस का खर्च उठाएगी सरकार

एजेंसी ⏭ मेदिनीनगर (पलामू)

सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों को अब इलाज के लिए आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। केंद्र सरकार की कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025 के तहत 1.5 लाख रुपए तक का इलाज पूरी तरह मुफ्त मिलेगा। इलाज का पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी और भुगतान ऑनलाइन माध्यम से सीधे अस्पताल को किया जाएगा। योजना के तहत घायल व्यक्ति को दुर्घटना की तिथि से अधिकतम सात दिनों तक कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी।

इसमें किसी बीमा दस्तावेज, एडवांस राशि या अन्य औपचारिकताओं की आवश्यकता नहीं होगी। झारखंड सरकार ने योजना को राज्य में लागू करने के लिए प्रक्रिया आरंभ कर दी है। सभी जिलों को पत्र भेजकर नोडल पदाधिकारी नामित करने को कहा गया है। जानकारी के अनुसार, जिले में सिविल सर्जन को नोडल पदाधिकारी बनाए जाने की संभावना है। योजना का एक पोर्टल भी विकसित किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक जिले के उपायुक्त के नाम से लॉगिन आईडी बनाई जाएगी। कैशलेस इलाज की स्वीकृति जांच प्रक्रिया पूर्ण होने और उपायुक्त के आदेश के बाद ही दी जाएगी। आने वाले महीनों में यह योजना पलामू में लागू हो सकती है। इसके शुरू होने से सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को तत्काल इलाज का लाभ मिल सकेगा और आर्थिक तंगी इलाज में बाधा नहीं बनेगी।

12 दिन तक लगातार कारसेवा की

जो सरकारी महकमा न कर पाया, वो किसानों ने कर दिखाया, अब हर कोई कर रहा तारीफ

एजेंसी ⏭ लखीमपुर

जो काम सरकारी महकमा न कर पाया, उसे किसानों ने पूरा कर दिखाया। शारदा नदी की तेज धार से कट रही रेलवे लाइन को बचाने में 47 गांवों के 2200 से ज्यादा किसान जुट गए। 12 दिन तक लगातार कारसेवा की। बदले में सरकार से एक भी पैसा नहीं मांगा। लंगर चलाकर पेट भरा और नदी की धार रोकने में कामयाबी पाई। किसानों की इस मेहनत ने फिलहाल रेल ट्रैक और कई गांवों की तबाही रोक दी है। इन किसानों की हिम्मत और जज्बे को लोग सलाम कर रहे हैं।

गुरुद्वारे से हुई अपील तो जुटे कारसेवक

मंहगापुर गुरूद्वारा के बाबा गुरनाम सिंह के निर्देश पर कार सेवा शुरू हुई और करीब 47 गांवों के 2200 किसानों ने काम शुरू कर दिया। अपना काम छोड़कर किसान रेल पटरी और गांवों को बचाने में लग गए। वहीं लंगर चलने लगा। किसानों ने अपने घरों व चीनी मिल से बोरियां लाकर उनका बोल्डर बनाया। किसान कड़ी मेहनत कर लोहे के जाल में पत्थर व बोरिया भरकर उसे रिसाव वाले स्थान पर लगाने लगे।

एसएसबी भी आई किसानों के साथ

किसानों के जज्बे को देखकर एसएसबी भी उनके साथ आ गई। एसएसबी के कमांडेंट रविन्द्र कुमार राजेश्वरी की अगुवाई में जवानों ने भी मौके पर पहुंचकर श्रमदान किया। वे किसानों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर डटे रहे। जवानों ने बंदूक उतारकर कुदाल थाम ली और कारसेवा में जुट गए। आखिर किसानों और जवानों ने कारसेवा के जरिए रिसाव को रोकने में कामयाबी हासिल कर ली।

स्वयं की मेहनत से इस बार नदी की धार रोकी

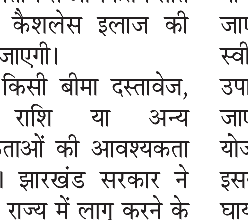

बीते कई वर्षों से बाढ़ त्रासदी झेल रहे किसानों ने प्रशासन से राहत मिलते न देख स्वयं की मेहनत से इस बार नदी की धार रोक दी। लगभग दो हफ्ता पहले पलिया-भीरा रेल ट्रैक के बीच अतरिया के पास शारदा नदी की बाढ़ का पानी रेल लाइन के नीचे से रिसाव करने लगा था। अगर 48 घंटे तक यह रिसाव यूं ही जारी रहता तो मैलानी से बहराइच जाने वाली रेल लाइन और 50 से ज्यादा गांव नदी की धार में बह जाते। हालांकि रेलवे और बाढ़ खंड की टीम काम कर रही थी। लेकिन रिसाव में एक इंच फर्क नहीं आया। इसके बाद अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच हुई लंबी वार्ता के बाद कारसेवा के जरिए रेल लाइन के नीचे हो रहे रिसाव को रोकने के लिए सहमति बनी।

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

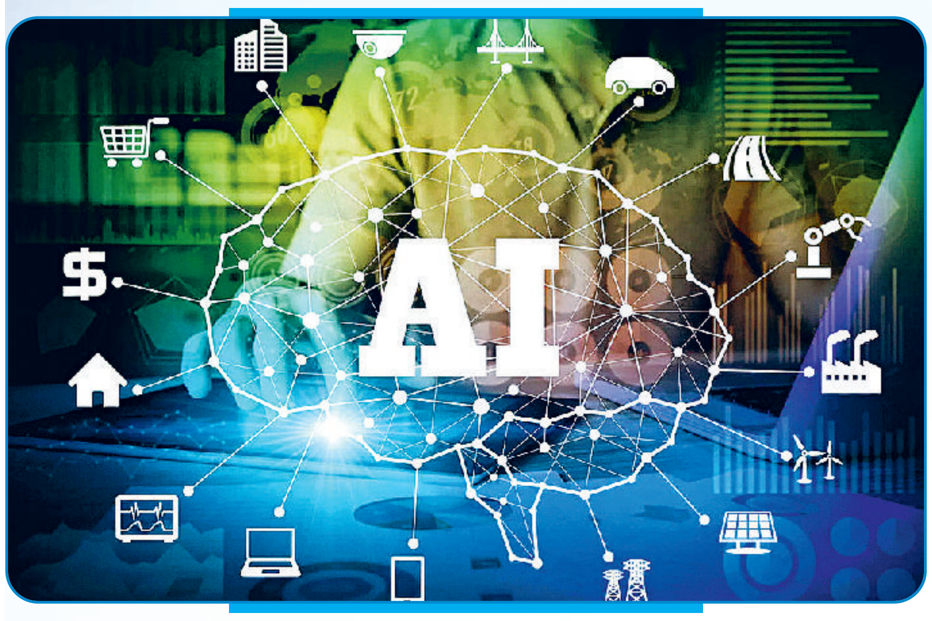

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीय स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग हिचकिचाते बहुत हैं
ठहाकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

लघुकथा / गीता सिंह

बांझिन का घर

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

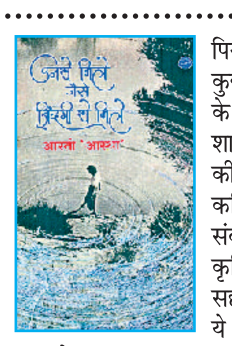

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

Advt...

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक बगिया मां के नाम अभियान के लिए भूमिपूजन कर रोपा पौधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश तेजी से प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। भारत वसुधैव-कुटुम्बकम की संस्कृति पर चल रहा है, जहां पूरा विश्व एक परिवार की तरह है। जब सारा विश्व युद्ध में झुलस रहा है, तब भारत जियो और जीने दो का संदेश देकर अपनी उदार संस्कृति का परिचय दे रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को इंदौर के केसरबाग में एक बगिया मां के नाम नगर वन निर्माण का भूमिपूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

केसरबाग में 51 हजार फलदार-औषधीय पौधे लगाए जाएंगे: मंत्री विजयवर्गीय

इंदौर को हरा-भरा और सुंदर बनाने का लिया संकल्प

डॉ. यादव ने कहा कि यह संयोग है कि आज श्रावण माह का पहला दिन है और इसी दिन केसरबाग में एक बगिया मां के नाम के तहत इंदौर को हरा-भरा और सुंदर बनाने का संकल्प लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के लोग प्रारंभ से ही प्रकृति के निकट रहे हैं और उन्होंने प्रकृति में भी परमात्मा के दर्शन किए है। कार्बन उत्सर्जन को दूर करने में पौधों की बड़ी भूमिका है। पेड़ ऋषि-मुनि के समान होते हैं, जो प्रकृति से कम और लेते देते अधिक हैं। मुख्यमंत्री ने केसरबाग में आम के पौधे का रोपण किया। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि क्लॉथ मॉर्केट एसोसिएशन ने शासन को केसरबाग में जो चार एकड़ से अधिक जमीन पौधारोपण के लिए दी है, उस पर 51 हजार से अधिक पौधे लगाकर इसे सुन्दर और प्रदेश की सबसे बड़ी बगिया बनाया जाएगा। बगिया में फलदार और औषधीय पौधे लगाए जाएंगे।

सीएम डॉ. मोहन ने कहा, विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई करें उनके उज्जवल भविष्य की सरकार करेगी चिंता

विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई करें, उनके उज्जवल भविष्य की चिंता सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी स्कूल में टॉप करेगा, राज्य सरकार उसे इलेक्ट्रिक स्कूटी प्रदान करेगी। नीट पास करने वाले विद्यार्थियों के चिकित्सा शिक्षा की फीस में भी सरकार सहायता कर रही है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को किया कॉपी वितरण

मप्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी

आगामी दो वर्ष में प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 50 तक पहुंचेगी। सरकार द्वारा युवाओं के स्वावलंबन के लिए प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। अब पुण्योदय प्रकल्प के माध्यम से कॉपियां भी उपलब्ध करा रहे है। डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर में हिंद रक्षक संगठन द्वारा पुण्योदय प्रकल्प के 21वें वर्ष के अवसर पर बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स परिसर में प्रियजनों की पुण्य स्मृति में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कॉपी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया और जरूरतमंद विद्यार्थियों को निः शुल्क कॉपी वितरित की।

खबर संक्षेप

खाद की कालाबाजारी पर निगरानी रखेगा कृषि विभाग

भोपाल। अवैध खाद बेचने और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। यह निर्देश संभागायुक्त संजीव सिंह ने कृषि कल्याण व विकास विभाग सहित अन्य अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में कृषि विभाग की उप संचालक सुमन प्रसाद ने प्राकृतिक खेती योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भोपाल संभाग में 100 क्लस्टर में पांच हजार हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना में 12 हजार 500 किसानों को शामिल किया गया है, जिनमें से अब तक 9,771 किसानों का पंजीयन एम-किसान पोर्टल पर पूर्ण हो चुका है। इस कार्य में 200 किसान सखियां सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत 45,503 हितग्राहियों का 'गृह प्रवेश'

मुख्यमंत्री ने शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए दी सौगातें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में मप्र ग्रोथ कॉन्क्लेव -2025 में प्रदेश के शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए 12 हजार 360 करोड़ रुपए की सौगातें दी। मुख्य रूप से इंदौर शहर के लिए अमृत 2.0 अंतर्गत जलप्रदाय एवं सीवरेज योजना के लिए 2,382.03 करोड़ रुपए की सौगात दी गई। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उपयोगित जलप्रदाय प्रबंधन और अधोसंरचना विकास के लिए 257 परियोजनाओं के लिए 3,562.27 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई। कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत 45,503 हितग्राहियों का गृह प्रवेश करवाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत 19,541 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कुल 65,044 हितग्राहियों को 2,799.26 करोड़ रुपए की राशि अंतरण की गई।

शहरी विकास को गति देने हुए एमओयू

शहरी प्रशासन के विविध घटकों को टेक्नॉलॉजी के माध्यम से इंटीग्रेट करके अधिक कार्यकुशल बनाने के लिए मध्यप्रदेश शासन और भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान के बीच महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। नगरीय विकास विभाग के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शहरी विकास कंपनी और हाउसिंग और शहरी विकास निगम लिमिटेड (हुड़को) के मध्य समझौता निष्पादन हुआ।

गतिविधियों की जानकारी दी

अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय दुबे ने मप्र ग्रोथ कॉन्क्लेव में हुई गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विचार विमर्श से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ेगी। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव -2025 में इकोनॉमिक टाइम्स अर्बन ग्रोथ 2025 पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

विशेष सत्रों का हुआ आयोजन

कॉन्क्लेव में इंटीग्रेटिंग टेफ्रोलॉजी फॉर अर्बन इंडिया, सिटीज ऐज ग्रोथ हब्स, शहरी वानिकी, मोबिलिटी फॉर सिटीज ऑफ टुमारो जैसे विषयों पर सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रकट किए।

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का कार्यक्रम जारी

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल भोपाल ने प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग और यह परीक्षा स्कूल शिक्षा विभाग में 10150 पद जनजातिया कार्य विभाग 2939 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि 18 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि 1 अगस्त 2025 है। आवेदन-पत्र में संशोधन करने की प्रारंभिक तिथि भी 18 जुलाई है और संशोधन की अंतिम तिथि 6 अगस्त है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 8:30 बजे से 10 बजे तक है। दूसरी पाली के लिए रिपोर्टिंग समय दोपहर 1 बजे से 02:30 बजे तक रहेगी। इस चयन परीक्षा में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को आयोजित प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 अथवा 2024 में निर्धारित प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन कियोस्क के माध्यम से भरने वाले उम्मीदवारों को 60 रुपये का पोर्टल शुल्क देना होगा।

18 से शुरू होंगे आवेदन

डीपीजी आईटीएम कॉलेज में राष्ट्रीय सम्मेलन आईटीएमबीई-2025 का आयोजन

गुरूग्राम। सेक्टर 34 में स्थित डीपीजी आईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रांगण में आधुनिक व्यावसायिक परिवेश में नवाचार प्रवृत्तियाँ पर अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया। यह एक दिवसीय सम्मेलन हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया जिसमें देश भर से कई शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों और शोधार्थियों की भागीदारी देखने को मिली। यह आयोजन संस्था के मुख्य संरक्षक श्री गोपीचंद गहलोत जी की अध्यक्षता में एवं महासचिव श्री सुरेन्द्र गहलोत एडवोकेट जी, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ प्रीति गहलोत जी की देखरेख में संपन्न हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरूण कुमार अत्री जी एवं आईएमएसएआर एमडीयू के प्रोफेसर डॉ श्योकंद कर्मबीर जी का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर किया गया। कॉलेज के महासचिव श्री सुरेन्द्र गहलोत जी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि हम आगे भी इस प्रकार के सम्मेलन आयोजित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए संस्थान की शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और उसकी प्रतिबद्धता को दोहराया। श्री गहलोत जी ने कहा यह राष्ट्रीय सम्मेलन विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी एक नई दिशा देने में एक सहायक सिद्ध होगा तथा शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण साधन सिद्ध होगा।संस्था में नवाचार और समावेशी शिक्षा के वातावरण को बढ़ावा देने एवं उनके प्रयासों का परिणाम इस सम्मेलन की सफलता में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस सम्मेलन की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ की गई। कॉलेज के डायरेक्टर प्रो. आरसी कुहाड़ जी ने बताया कि इस तरह के मंचों की उपयोगिता एवं सम्मेलन का शैक्षिक होना उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटने में मदद करता है।

बिहार में इस वर्ष नवंबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। अभी चुनाव आयोग ने डेट का ऐलान नहीं किया है, लेकिन बिहार में रैलियों, जनसभाओं और बयानों से चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण चल रहा है, जो अभी हॉट मुद्दा है। इस मुद्दे पर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडि गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। एनडीए केवल संगठन ही नहीं, सरकारी योजनाओं के जरिए भी जनता तक पहुंच बढ़ा रहा है। नीतीश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 से बढ़ा कर 1100 रुपये प्रतिमाह किया है, राजद ने 1500 करने का वादा किया है। नीतीश सरकार ने राज्य के 16 नगर निकायों में 100 पिंक टॉयलेट बनाने का ऐलान किया है, रोजगार पर ध्यान देने के लिए बिहार राज्य युवा आयोग का बठन किया है, बिहार निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लागू किया है। इस बार का चुनाव एनडीए की स्थिरता, महागठबंधन के लोकलुभावन वादे और जन सुराज के सुधारवादी दृष्टिकोण के बीच त्रिकोणीय है। आजकल के ताजा अंक में पेश है एक विश्लेषण...

बिहार के रण में त्रिकोणीय बिसात

विश्लेषण

विनोद पाठक

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में इसी वर्ष नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडी गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। यह स्पष्ट है कि एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। अभी एनडीए में शामिल जद (यू), भाजपा, लोजपा (रामविलास), हम (सेकुलर) और राष्ट्रीय लोकमत पार्टी ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर कोई भ्रम नहीं है। साफ है कि जातीय समीकरणों में उलझे बिहार में इस बार त्रिकोणीय और दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलने वाला है।

बिहार की सियासी सरगर्मी धीरे-धीरे तेज होने लगी है। इसी वर्ष नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडि गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। यह स्पष्ट है कि एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। अभी एनडीए में शामिल जद (यू), भाजपा, लोजपा (रामविलास), हम (सेकुलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर कोई भ्रम नहीं है। हालांकि, जब तक चिराग पासवान अपना रुख स्पष्ट नहीं करते, तब तक कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। दूसरी ओर, महागठबंधन में सीटों को लेकर चर्चा होनी बाकी है। कुल मिलाकर बिहार में इस बार बेहद रोचक मुकाबला दिखने की उम्मीद है। बात की शुरुआत एनडीए से करते हैं। एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे का जो प्रारूप सामने आया है, उसके अनुसार जद (यू) को 102–103, भाजपा को 101–102, लोजपा (रामविलास) को 25–28, हम (से.) को 6–7 और आरएलएम को 4–5 सीटें मिल सकती हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि एनडीए 220 से ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाएगा। जद (यू) और भाजपा, दोनों ने बूथ से लेकर जिला स्तर तक समन्वय समितियां बनाने का निर्देश जारी किया है। सत्ताधारी एनडीए पर अधिक दबाव है।

महिला वोटरों को लुभाने में जुटे नीतीश

एनडीए केवल संगठन नहीं, सरकारी योजनाओं के जरिए भी जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। नीतीश सरकार ने बीते कुछ सप्ताहों में एक के बाद एक कई घोषणाएं कर वोटरों को सीधे साधने का प्रयास किया है। उनकी नजर विशेष रूप से महिला वोटरों पर है। योजनाओं में सबसे प्रमुख 1.11 करोड़ बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग लाभार्थियों को 1100 रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन सीधे बैंक खाते में भेजना है। यह पहले मात्र 400 रुपये थी। महिला वोटरों को लुभाने के लिए राज्य के 16 नगर निकायों में 100 पिंक टॉयलेट बनाने की योजना को हरी झंडी मिल चुकी है। युवाओं के लिए सरकार ने 'बिहार राज्य युवा आयोग' का गठन किया है, जो 18–45 वर्ष के आयु वर्ग के लिए नीतिगत सलाह, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोई अवसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

यही कारण है कि उन्होंने बिहार निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लागू कर दिया है। नीतीश सरकार ने स्पष्ट किया है कि गैर-बिहारी महिलाएं सामान्य श्रेणी में आवेदन करेंगी। इस निर्णय से 53 हजार से अधिक महिलाओं को स्थायी सरकारी नौकरी मिलेगी। एनडीए पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुका है। सरकार की कल्याण योजनाओं को प्रचारित करने के लिए हर पंचायत स्तर पर बूथ प्रभारी नियुक्त किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं योजनाओं की निगरानी कर रहे हैं और हर कार्यक्रम में विकास कार्यों को सामने रख रहे हैं। बिहार में लड़ाई अब घोषणाओं बनाम भरोसे की लड़ाई बनने जा रही है।

महागठबंधन ने भी कसी कमर

जहां तक महागठबंधन की बात है, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में विपक्ष ने कमर कस ली है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सहित सात दलों के इस महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को अपना समन्वयक घोषित कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री पद का चेहरा अभी औपचारिक रूप से तय नहीं किया गया, लेकिन अधिकांश घटक दलों की सहमति तेजस्वी यादव के नाम पर दिख रही है। चर्चा यही है कि चुनाव में महागठबंधन, एनडीए के खिलाफ 'तेजस्वी क्रांति 2025–30' नारे के साथ मैदान में उतरेगा। महागठबंधन की रणनीति सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय स्वाभिमान और जनकल्याणकारी वादों के सहारे सत्ता में वापसी की है। हालांकि, महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर अब भी मनमुटाव की स्थिति है।

जहां कांग्रेस 40–45 सीटें मांग रही है, वहीं वीआईपी के मुकेश सहनी ने 60 सीटों की जोरदार दावेदारी कर दी है। इससे सीटों के संतुलन को साधने में राजद की भूमिका चुनौतीपूर्ण बन गई है। वैसे, राजद नेताओं का कहना है कि महागठबंधन में कोई दरार नहीं है। जल्द ही सभी मुद्दों पर सहमति बना ली जाएगी। महागठबंधन ने भी जनता को लुभाने के लिए कई बड़े वादे किए हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले दिनों घोषणा की कि महागठबंधन सरकार बनने पर हर परिवार को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। कांग्रेस ने घोषणा की कि महागठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य की महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने की घोषणा

महागठबंधन ने वृद्धावस्था पेंशन को 400 से बढ़ाकर 1,500 करने की बात कही है। हालांकि, नीतीश कुमार ने पहले ही इसमें वृद्धि कर दी है। मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए तेजस्वी यादव वक्फ कानून को बिहार में समाप्त करने की घोषणा कर चुके हैं। महागठबंधन नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी पर एकसाथ निशाना साध रहा है। तेजस्वी यादव और राहुल गांधी ने अपने चुनावी अभियान को 'बिहारी स्वाभिमान बनाम दिल्ली का दबाव' बनाने की कोशिश की है। दोनों नेताओं ने हाल में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए पटना में 'चक्का जाम' व सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया था। राजद की यह रणनीति केंद्र के खिलाफ राज्यीय अधिकारों की बहस को पुनर्जीवित करने का प्रयास भी है।

चिराग पासवान की असमंजस वाली स्थिति

केंद्र की मोदी सरकार में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान को लेकर एनडीए में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एक ओर चिराग स्वयं को मोदी का हनुमान कहते हैं तो दूसरी ओर बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने की घोषणा कर देते हैं। इससे लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने एनडीए के भीतर नया सियासी दबाव खड़ा कर दिया है। हालांकि, चिराग पासवान सफाई देते हैं कि यह निर्णय 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' अभियान के तहत लिया गया है, जो उनकी पार्टी का वैचारिक और विकासोन्मुख एजेंडा है। वो यह कहकर एनडीए में दबाव बना रहे हैं कि यदि उन्हें एनडीए में सम्मानजनक हिस्सेदारी नहीं मिली तो अकेले चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटेंगे। पिछले चुनाव की बात की जाए तो चिराग पासवान ने ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। तब भी वो एनडीए का हिस्सा थे, लेकिन जद (यू) के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिए थे। परिणामस्वरूप नीतीश कुमार की जद (यू) को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और उसकी सीटें घटकर 43 रह गई थीं। संभवतः चिराग पासवान उसी 'दबाव नीति' को दोहरा रहे हैं। चिराग पासवान की रणनीति को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तंज कसते हुए कह चुके हैं कि जो लोग केंद्र में मंत्री हैं, उन्हें अब विधानसभा की राजनीति में कूदने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, भाजपा डैमेज कंट्रोल में लगी है। पार्टी मुद्दे को यह कहकर साध रही है कि सभी सहयोगी दलों से बातचीत कर समाधान निकाला जाएगा। अब आने वाले समय में पता चलेगा कि नीतीश व चिराग के बीच धुरी बनी भाजपा एनडीए में सीटों का तालमेल कैसे बिठाती है, जिससे सभी घटक संतुष्ट हों।

प्रशांत किशोर की सियासी एंट्री

एनडीए और महागठबंधन से हटकर बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज तीसरी ताकत बनती दिख रही है। प्रशांत किशोर पहले ही सभी 243 सीटों पर लड़ने की घोषणा कर चुके हैं, यानी बिहार की राजनीति में अब दो ध्रुव नहीं रहे हैं। नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार से लेकर ममता बनर्जी और कांग्रेस के चुनावी रणनीतिकार रह चुके प्रशांत किशोर लंबे समय से बिहार में सक्रियता बनाए हुए हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के संगठन को गांव-गांव तक फैलाया है। 'बिहार बदलाव यात्रा' के जरिए जनता से सीधे जुड़ाव कायम किया है। उनकी पार्टी न केवल चर्चा में है, बल्कि युवाओं, मध्यवर्ग और शिक्षित मतदाताओं के बीच एक संभावित विकल्प के रूप में उभर रही है। प्रशांत किशोर की रणनीति स्पष्ट है, जातिवाद और वंशवाद के खिलाफ खड़ा होना, बिहार को एक नई राजनीतिक दिशा देना। जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता से महागठबंधन और एनडीए, दोनों में हलचल दिखाई देती है। प्रशांत किशोर नरेंद्र मोदी से लेकर लालू प्रसाद यादव व नीतीश कुमार तक निशाना साध रहे हैं। कांग्रेस को तो उन्होंने लालू यादव की पिछलग्गू तक करार दिया है। बिहार की राजनीति पर नजर रख रहे राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जन सुराज चुनाव को त्रिकोणीय बना सकता है, जिससे कई सीटों पर समीकरण बदलेंगे। यदि जन सुराज 5 से 10 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त कर लेती है तो वह 60–80 सीटों के परिणामों को प्रभावित कर सकता है। वैसे, जन सुराज के लिए यह पहला विधानसभा चुनाव है, लेकिन पिछले दिनों हुए उप चुनावों में उसने अपनी झलक दिखलाई थी। जन सुराज को उप चुनाव में इमामगंज सीट पर 37 हजार और बेलागंज सीट पर 17 हजार से अधिक वोट मिले थे। स्पष्ट है कि पार्टी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पार्टी सोशल मीडिया और ग्राउंड वर्क के जरिए तेजी से युवाओं को जोड़ रही है। यह स्पष्ट है कि जन सुराज का मुख्यमंत्री चेहरा प्रशांत किशोर ही होंगे।

जनाधार के समीकरण भी महत्वपूर्ण

एनडीए मोदी-नीतीश की जोड़ी को विकास से जोड़ती है और डबल इंजन सरकार में राज्य के बहुमुखी विकास का दावा करती है। नीतीश कुमार विगत 20 वर्षों से मुख्यमंत्री हैं। मतदाताओं पर इस जोड़ी का असर दिखता भी है। जहां भाजपा की अच्छी पकड़ सवर्ण मतदाताओं के साथ मध्यवर्ग पर है, वहीं नीतीश कुमार पिछड़ों और अति पिछड़ों का साधते हैं। यदि चिराग एनडीए का हिस्सा बने रहते हैं तो दलित वोटों का बड़ा हिस्सा उनके पक्ष में आ जाएगा। हालांकि, तेजस्वी यादव के यादव-मुस्लिम समीकरण को नकारा नहीं जा सकता है। वैसे, राजद को असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम से असुरक्षा भी महसूस हो रही है। यदि ओवैसी बिहार के रण में उतरते हैं तो वो महागठबंधन को कई सीटों पर नुकसान पहुंचा सकते हैं। जातीय समीकरणों में उलझे बिहार में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलने वाला है।

मुद्दों के साथ समीकरण को धार दे रहा राजग

विस चुनाव

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार चुनाव के लिए तारीखों का अभी ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सूबे में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव है। सियासी दांव और जनता की उम्मीदें टकराने वाली हैं। 13.07 करोड़ की आबादी और जातिगत समीकरणों की गहरी जड़ों के साथ, बिहार राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के लिए एक अहम रणक्षेत्र बना हुआ है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) शामिल हैं, उसे तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महागठबंधन और प्रशांत किशोर की नई जन सुराज पार्टी से कड़ा मुकाबला मिल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला बड़ा चुनाव होने के नाते, यह मतदान बिहार की सियासत और इसके लोगों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। बहरहाल,चुनावी मौसम को देखते हुए सभी दल और गठबंधन तैयारी में जुट गए हैं। इसी कड़ी में महागठबंधन में सीटों के बंटवारे और गठबंधन के चेहरे को लेकर बैठक हुई। बैठक के बाद कहा जा रहा है कि कुछ फॉर्मूले तय भी हो गए हैं। वहीं सूबे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की अगुवाई कर रहा जनता दल भी एक्टिव मोड में है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के साथ गठबंधन में बीजेपी बिहार में सत्ता बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। बीजेपी ने एक बार फिर से स्पष्ट किया है कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

सीट बंटवारे को लेकर चर्चा गर्म

बीजेपी पहले ही कह चुकी है कि एनडीए के पांच दल (बीजेपी, जेडीयू, लोजपा (रामविलास), हम और राष्ट्रीय लोक मोर्चा) एकजुट होकर 'चुनाव लड़ेंगे। इन सबके बीच बात सीट बंटवारे को लेकर भी हो रही है। एनडीए में शामिल करीब-करीब सभी पार्टियों ने अपनी डिमांड बीजेपी और जेडीयू जैसे बड़े दलों को बता दी है। हालांकि, सीट शेयरिंग को लेकर आधिकारिक बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। लेकिन एनडीए में इस बार सीट शेयरिंग की गुत्थी कुछ ज्यादा पेचीदा है क्योंकि चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी भी इस बार एनडीए का हिस्सा है, जबकि पिछले विधानसभा में उसने अलग चुनाव लड़ा था। हालांकि, पिछले विधानसभा चुनाव से इस बार में एनडीए का स्वरूप बदला है। वीआईपी अब एनडीए की जगह महागठबंधन का हिस्सा है और चिराग पासवान की पार्टी एनडीए में है। जाहिर तौर पर सीट शेयरिंग में बीजेपी और जेडीयू दोनों की सीटें कम होंगी। इसे लेकर खींचतान है कि किस पार्टी की कितनी सीटें कम होंगी।

चिराग पासवान बड़ा पेंच

जीतन मांझी 35 सीटों की मांग कर रहे हैं, हालांकि उन्हें भी मालूम है कि इतनी सीटें उन्हें नहीं मिलनी। लेकिन यह अपनी पहले की सीटें बचाने की कवायद है ताकि उनके कोटे की सीटें कम ना हों। वहीं दूसरी तरफ एनडीए में चिराग पासवान की वजह से बहुत बड़ा पेंच फंसा हुआ है। क्योंकि उन्होंने सभी 243 सीटों पर तैयारी करने की बात कही है। चिराग पासवान को जो सीटें दी जाएंगी तो वो किसके कोटे से जाएंगी। इस पर भी कोई

कुछ नहीं कह रहा है। बहरहाल, चिराग पासवान एक तरफ चुनाव लड़ने का ऐलान कर रहे हैं। दूसरी तरफ, वे उन जगहों पर जा रहे हैं जहां बीजेपी मजबूत है। लेकिन उनकी अपनी पार्टी का कोई खास जनाधार नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि चिराग पासवान आखिर चाहते क्या हैं? बिहार की राजनीति में जाति एक महत्वपूर्ण कारक है और बीजेपी ने इसे ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति तैयार की है। यदि देखा जाए तो जातीय जनगणना को लेकर भी बीजेपी ने बड़ा दांव खेला है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना के फैसले को बीजेपी अपनी रणनीति का हिस्सा मान रही है। यह कदम विपक्ष के 'संविधान विरोधी' नैरेटिव को कमजोर करने और नए जातीय समूहों को अपने पक्ष में लाने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा बीजेपी अपनी परंपरागत हिंदुत्व की विचारधारा को भी मजबूत कर रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर'जैसे अभियानों के जरिए पार्टी ने हिंदू मतदाताओं में सकारात्मक माहौल बनाया है। इसके साथ ही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिक मशीनरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ उठाने की रणनीति बनाई गई है। संघ प्रमुख लगातार बिहार में कई बार प्रवास कर चुके हैं। साफ है कि बिहार का चुनाव बीजेपी हर हाल में जितना चाहती है क्योंकि बिहार के चुनाव का असर उसके बाद होने वाले बंगाल और उत्तर प्रदेश पर भी पड़ेगा। खैर,अब विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और बीजेपी के सामने एक सवाल यह भी है कि वह नीतीश के साथ कैसे आगे बढ़ेगी। नीतीश की उम्र और सेहत को लेकर अटकलें लग रही हैं, लेकिन उनकी सियासी चालबाजी अभी भी उन्हें बिहार का किंगमेकर बनाए हुए है। बीजेपी ने हाल ही में नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है, मगर पार्टी के भीतर कुछ नेता बिहार में अपनी सरकार चाहते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयानों से भी संकेत मिले हैं कि बीजेपी नीतीश पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहती। लेकिन नीतीश की सियासी चालें अभी खत्म नहीं हुई हैं। अगर बीजेपी उन पर दबाव बनाती है तो वे फिर से महागठबंधन की ओर जा सकते हैं। लालू यादव ने हाल ही में कहा था कि नीतीश के लिए दरवाजे खुले हैं। दूसरी ओर, बीजेपी नीतीश को साथ रखकर 2025 में जीत की राह आसान करना चाहती है, लेकिन बाद में अपनी शर्तों पर सत्ता चलाने की कोशिश कर सकती है। बिहार की जनता भी नीतीश के इस 'पलटीमार' रवैये से परिचित है, मगर उनकी लोकप्रियता अभी बरकरार है। ऐसे में बीजेपी को नीतीश के साथ संतुलन बनाना होगा वरना 2020 का 'धोखा' इस बार भारी पड़ सकता है।

दोधारी तलवार बने नीतीश

यूं कहें कि नीतीश कुमार बीजेपी के लिए एक दोधारी तलवार बन गए हैं। उनके पास 14-15 फीसदी वोट बैंक है, जो बिहार में किसी भी गठबंधन के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। बीजेपी भले ही अकेले 160-170 सीटों पर चुनाव लड़ने का सपना देखे, लेकिन नीतीश का साथ छोड़ना आसान नहीं। केंद्र में नीतीश की पार्टी के 12 सांसद मोदी सरकार के लिए बैसाखी का काम कर रहे हैं। ऐसे में बीजेपी न तो नीतीश को नाराज करना चाहती है और न ही उनकी बीमारी को नजरअंदाज कर सकती है।

बहरहाल, 2025 का चुनाव बिहार के भविष्य की परीक्षा है। एनडीए की स्थिरता, महागठबंधन के लोकलुभावन वादे और जन सुराज का सुधारवादी दृष्टिकोण टकराएंगे। एनडीए की जीत बीजेपी और नीतीश की प्रासंगिकता को मजबूत करेगी,जबकि महागठबंधन की जीत इंडिया गठबंधन को बल देगी। जन सुराज,भले ही सीमित सफलता पाए,भविष्य की राजनीति को प्रभावित कर सकती है। बिहार के 13.07 करोड़ लोग इस मतपत्र से तय करेंगे कि वे स्थिरता चाहते हैं, या रेवड़ियां चाहते हैं या नई दिशा।

'दम' दिखाने को तैयार महागठबंधन

बिहार का रण

सुशील देव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर दो प्रमुख घटक में इस बार कड़ी टक्कर होने वाली है। यह घटक दल हैं- महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन। महागठबंधन 2.0 एक विपक्षी गठबंधन है जो भारतीय जनता पार्टी और राजग के खिलाफ खड़ा है। दोनों गठबंधन में कई प्रमुख क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय दल शामिल हैं, इसलिए अबकी बार मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। दिलचस्प इसलिए भी कि भाजपा समर्थित नीतीश कुमार सरकार की पुनर्वापसी पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं की रणनीति अपना रंग दिखाने लगी है। परंतु यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार के नेतृत्व के सवाल पर राजग गठबंधन में भी बहुत बखेड़ा खड़ा होने वाला है। राजनीतिक पंडित उनके दावेदारों की वजह से यह गुना-गणित समझा रहे हैं।

मगर महागठबंधन की बात करें तो उनके सभी दल ताल ठोक कर मैदान में दो-दो हाथ करने को तैयार हैं। रही बात महागठबंधन की ताकत की तो उसके पास अभी प्रमुख दलों में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, सीपीआई-एमएल, सीपीआई, सीपीएम और वीआईपी प्रमुख दल हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी बिहार के लिए अभी नई है। यह संभावित सहयोगी हो सकती है, मगर अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं है।

एम-वाई समीकरण मजबूत

अगर हम ताकत की बात करें तो राजद का एम-वाई समीकरण काफी मजबूत नजर आ रहा है यानी मुस्लिम और यादवों का वोट बैंक फिलहाल किसी अन्य समीकरणों के झांसे में नहीं आने वाला है। वीआईपी और वाम दलों के समर्थनों से पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित वर्गों को जोड़ने की लगातार कोशिशें भी जारी हैं, जबकि कांग्रेस के कारण सवर्ण और अल्पसंख्यक वर्गों में भी खासा प्रभाव देखा जा रहा है। महागठबंधन की ताकत और कमजोरी को समझने के लिए राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक, तीनों स्तरों पर विश्लेषण जरूरी है।

इस गठबंधन का नेतृत्व निश्चित तौर पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम, युवा एवं आक्रामक नेता तेजस्वी यादव की तरफ आ जाता है, जो न केवल युवाओं के रोजगार बल्कि जनता के मुद्दों, महंगाई और भ्रष्टाचार पर लगातार चोट करके मतदाताओं के दिलों में अपनी जगह बना रहे हैं। वहीं, अपने पिता लालू यादव के सामाजिक न्याय वाली विचारधाराओं से भी ओतप्रोत दिखाई देते हैं। तेजस्वी की ज़मीनी पकड़ और सोशल मीडिया में उपस्थिति भी अच्छी है।

तेजस्वी की लोकप्रियता बढ़ी

इन तमाम वजहों से तेजस्वी की लोकप्रियता भावी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में भी बढ़ी है। हालिया सर्वे में तेजस्वी नीतीश कुमार से भी आगे बताए जा रहे हैं। जहां तक बात सहयोगी दलों की एकजुटता और उनकी अपनी ताकत का सवाल है, महागठबंधन हाल ही में बिहार बंद प्रदर्शन और वोटर लिस्ट के मुद्दे पर जनता को यह मैसेज देने

में सफल रहा है कि सरकार या सरकार से जुड़े सहयोगी दलों ने मिलकर कुछ असामान्य करने की कोशिश की है। बड़ी बात तो यह है कि राजद ने प्रमुख दल होने और बिहार विधानसभा में विपक्ष में होने के कारण नीतीश सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष को हवा देने का सफल प्रयास किया है। उनके साथ स्थानीय स्तर पर वामदलों की स्थिति भी काफी मजबूत दिखाई दे रही है। खासकर, ग्रामीण क्षेत्रों में किसान और मजदूरों के बीच वामपंथी दल खासा पकड़ रखते हैं। साथ ही, इनके कैडर कार्यकर्ता चुनाव में अपनी मजबूत भूमिकाएं निभाते हैं। जहां तक महागठबंधन की चुनावी तैयारियों का सवाल है, वह अभी तक बिल्कुल सही दिशा में जा रही है। बीते 9 जुलाई को महागठबंधन ने बिहार बंद और चक्काजाम का आयोजन किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद के तेजस्वी यादव ने मिलकर व्यापक रूप से वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया, विरोध जताया। इस बंद को महागठबंधन की एकता और जन जागरण की ताकत के संकेत के तौर पर देखा गया। मगर, वहीं महागठबंधन के अंदर सीटों के बंटवारे को लेकर नाराजगी अभी थमी नहीं है। सीटों के अंतिम बंटवारे को लेकर गठबंधन के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। ज्ञात हो कि राजद को पूर्वी चंपारण से लगभग 200 मुस्लिम कार्यकर्ता जदयू में चले जाने से गहरा धक्का लगा है, जिससे महागठबंधन की एकता पर भी सवाल खड़ा हो गया है। राजग के कार्यकर्ता की जदयू में पलायन से संगठन की आंतरिक मजबूती प्रभावित हो सकती है। यहां यह भी बता दें कि सीटों के बंटवारे को लेकर पहले भी विवाद रहा है।

2020 में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन को लेकर यह विवाद रहा था। आज भी कांग्रेस का ज़मीनी ढांचा कमजोर है। कांग्रेस की अंतर्कलह की वजह से महागठबंधन की रणनीति प्रभावित हो सकती है। यह भी डर है कि राजद के पुराने कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे हैं या निष्क्रिय हो रहे हैं। मुकेश सहनी का दल वीआईपी का इधर-उधर जाना, भरोसे को कमजोर करता है। कुछ अन्य पार्टियां यदि अकेले चुनाव लड़ती हैं तो महागठबंधन के लिए यह वोटकटवा फैक्टर साबित होगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भाजपा या राजग गठबंधन की तुलना में राजद गठबंधन आर्थिक रूप से कमजोर है। मीडिया में भी महागठबंधन की पकड़ ज्यादा मजबूत नहीं है। ऐसे में महागठबंधन के प्रमुख घटक दल कितना कुछ कर पाएंगे, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। मगर महागठबंधन चुनावी तैयारी में सक्रिय है। लगातार बैठकें, आंदोलन और प्रचार दर प्रचार के दौर चल रहे हैं। असली स्थिति महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

घटक दल रणनीति बनाने में जुटे

कुल मिलाकर बिहार की राजनीति में महागठबंधन एक बार फिर पूरे तेवर में नजर आ रहा है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनावी समर में कमर कसकर उतर चुका है। घटक दल रणनीति बनाने में जुट गए हैं। महंगाई, बेरोजगारी, और शिक्षा जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर महागठबंधन सरकार पर हमलावर है। हाल ही में हुए बिहार बंद और प्रदर्शन से गठबंधन ने सड़क से सदन तक अपनी मौजूदगी का एहसास कराया है। मुस्लिम, यादव, दलित और अति पिछड़ा वर्ग में गठबंधन की पकड़ मजबूत मानी जा रही है। इसी समीकरण से सबको साधने में लगा है। वहीं सीपीआई-एमएल जैसे वामदल ग्रामीण क्षेत्रों में कैडर आधारित समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं, फिर भी जनता से जुड़े मुद्दों और तेजस्वी की लोकप्रियता के बल पर महागठबंधन ताल ठोक कर मैदान में उतरने को तैयार है और सत्ता की कुंजी पाने के लिए बेताब है। हालांकि सत्ता का फैसला बिहार की जनता के हाथ में है।

चैरिटी के नाम पर अरबों की संपत्ति पर किया कब्जा, दान दो, टिकट लो का खेल चला

नेशनल हेराल्ड मामला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी कीरिपोर्ट ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। इसमें चौंकाने वाला दावा किया गया है कि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड जिस पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी का सीधा नियंत्रण है के जरिए सिर्फ चैरिटी के नाम पर अरबों की संपत्ति पर कब्जा किया गया। रिपोर्ट में संभावित राजनीतिक लाभ के बदले दिया गया चंदा करार दिया गया है।

ईडी का दावा- यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के जरिए बड़ी रकम वसूली

प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट सामने आने पर सियासत गरमाई

कोई चैरिटेबल काम जमीन पर नहीं दिखा, चंदा देने वाले पा गए टिकट

शनिवार को दिल्ली की अदालत में दायर दस्तावेजों में ईडी ने साफ तौर पर कहा कि यंग इंडियन को 'नॉन-प्रॉफिट' कंपनी दिखाया गया, लेकिन उसका वास्तविक काम एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियों को हथियाना था। ईडी ने दावा किया कि कोई भी चैरिटेबल काम जमीन पर नहीं हुआ और चंदा देने वालों को कांग्रेस में टिकट देना 'सिस्टमेटिक पैटर्न' जैसा लग रहा है।

जीरो निवेशः 2,000 करोड़ की मिल्कियत बनी

ईडी ने बताया है कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के सभी शेयर सिर्फ 50 लाख रुपए में यंग इंडियन कंपनी को ट्रांसफर कर दिए गए। हैरानी की बात ये है कि ये 50 लाख रुपए भी यंग इंडियन ने खुद नहीं दिए, बल्कि ये रकम कोलकाता की एक कंपनी डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड ने दी थी। कंपनी ने बतौर लोन दिया। इसके बदले यंग इंडियन को एजेएल सभी संपत्तियां जिनमें दिल्ली, मुंबई, भोपाल और पटना जैसे शहरों में प्राइम लोकेशन की बिल्डिंग्स शामिल हैं का पूरा नियंत्रण मिल गया।

यंग इंडियन केवल नाम की संस्था, मकसद संपत्ति हथियाना

ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस में अदालत को बताया कि यंग इंडियन को चैरिटी के नाम पर स्थापित किया गया था, लेकिन कभी कोई चैरिटेबल कार्य हुआ ही नहीं.। कोर्ट में एएसजी राजू ने कहा कि यंग इंडियन ने बिना एक भी रुपया निवेश किए एजेएल की करीब 2000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया। ईडी के अनुसार यह पूरी योजना एजेएल की संपत्तियों को हड़पने की साजिश थी और उसी के तहत यंग इंडियन का गठन किया गया था।

एजेएल को 50 लाख में खरीदा रकम 'डोटेक्स' कंपनी से मिली

ईडी ने यह भी दावा किया कि एजेएल को 50 लाख में खरीदा गया, जो रकम 'डोटेक्स' नामक कंपनी से मिली थी। यानी न तो यंग इंडियन ने खुद पैसा लगाया और न ही किसी चैरिटेबल काम की शुरुआत की।यंग इंडियन के जरिए राजनीतिक लाभ बांटे गए और जिन लोगों ने संस्था को दान दिया उन्हें चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिए गए। यह दिखावे की चैरिटी था।

सोनिया और राहुल का सीधा संबंध

ईडी ने इस डील को प्रत्यक्ष राजनीतिक नेतृत्व द्वारा नियंत्रित धोखाधड़ी बताया है। यंग इंडियन में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस निदेशक रहे।

कांग्रेस ने खारिज किया दावा

पूरे ट्रांजैक्शन में एक पैसा भी कहीं स्थानांतरित नहीं हुआ

कांग्रेस की ओर से सीनियर नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस पूरे ट्रांजैक्शन में एक पैसा भी कहीं स्थानांतरित नहीं हुआ है।

खबर संक्षेप

प्रेमी-प्रेमिका ने ट्रेन से कटकर दी जान

मिर्जापुर। जिले के जिगना थाना क्षेत्र के चडेरु चौकठा के पास डाउन लाइन रेल पटरी पर शुक्रवार की रात प्रेमी-प्रेमिका ने आत्महत्या कर लिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। प्रयागराज जनपद के मांडा थाना क्षेत्र के महेवाकला गांव निवासी शुभम सोनकर इसी थाना क्षेत्र के चकडीहा गांव निवासी अंजली देवी आपस में प्रेम करते थे।

असम में 112 करोड़ की 'मेथ' गोलियां जब्त

आइजोल। असम राइफल्स के जवानों ने 112.40 करोड़ मूल्य की 'मेथ' गोलियों की एक बड़ी खेप जब्त की है। 'मेथाम्फेटामाइन' एक प्रकार की उत्तेजक दवा है। इसका दुरुपयोग नशा करने के लिए किया जाता है। जवानों ने दो व्यक्तियों को म्यांमा सीमा के निकट जोखावथर गांव में एक थैला ले जाते हुए देखा।

कांगड़ा में युवती से छेड़छाड़, 6 अरेस्ट

कांगड़ा। कांगड़ा की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस अधीक्षक व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दोनों महिला अधिकारियों के कंधो पर पर है। लेकिन जिले की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। कुछ असामाजिक तत्वों ने कांगड़ा बस अड्डे पर शुक्रवार रात युवती से छेड़छाड़ की और उसके बाद सरेआम अश्लील हरकतें की। पुलिस ने 6 सिरफिरों को गिरफ्तार किया है।

खाई में गिरी स्कूली बस सभी 15 छात्र सुरक्षित

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में शनिवार को समूर गांव के पास मुख्य सड़क पर एक बड़ा हादसा टल गया। एक स्कूल बस, जिसमें करीब 15 छात्र सवार थे, सड़क पर बने पुलिया के धंसने से खाई में जा गिरी। सभी छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालकर अन्य वाहनों से उनके घर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में किसी भी बच्चे को चोट नहीं आई।

गृहमंत्री शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा के कार्यालय का किया उद्घाटन

एलडीएफ-यूडीएफ ने राज्य को बनाया राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए 'सुरक्षित' पनाहगाह

मजबूत दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना विकसित भारत बनाना असंभव

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में भाजपा की प्रदेश समिति के नए कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में एनडीए केरल में सरकार बनाने के लिए 2026 का केरल विधानसभा चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि कई अन्य राज्यों की तरह भाजपा तमिलनाडु में भी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि अगर जनता केरल में बदलाव चाहती है तो एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) या यूडीएफ (यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) के बजाय बदलाव लाने के लिए राजग और भाजपा को वोट दें। शाह ने केरल में अपने विरोधियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि एलडीएफ, यूडीएफ सरकारों ने केरल को राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए पनाहगाह बना दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना विकसित भारत बनाना संभव नहीं है। केरल में भाजपा का मुख्यमंत्री बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण पार्टी कार्यालय को विकसित केरल का केंद्र बनाना है।

केरल सरकार पर जमकर साधा निशाना

'विकसित केरलम' मिशन का 'लोगो' 'मोटो' जारी किया

केरल में पार्टी के नए प्रदेश कमेटी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद शाह ने पुथरीकंदम मैदान में वार्ड स्तरीय नेतृत्व बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करने से पहले पार्टी के 'विकसित केरलम' मिशन का 'लोगो' और 'मोटो' भी जारी किया।

'मरारजी भवन' में पुष्पांजलि भी दी

शाह ने इस वर्ष होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले भाजपा की प्रदेश कमेटी के नए कार्यालय 'मरारजी भवन' का उद्घाटन किया। शाह ने भाजपा की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष केजी मरार की आवक्ष कांस्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

गृहमंत्री शाह का सीएम विजयन पर हमला

एलडीएफ सरकार भ्रष्ट, विकास के नाम पर यहां हो रहे घोटाले दर घोटाले

शाह ने सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की एलडीएफ सरकार भ्रष्ट है। राज्य में खूब घोटाले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केरल में एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) और यूटडीएफ (यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। एलडीएफ ने विस्फोटक घोटाला, सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला, पीपीई किट घोटाला और भारत का सबसे बड़ा सोना तस्करी घोटाला किया।

यहां के विकास के लिए पीएम मोदी ने दिए 3 मंत्र

उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियां हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक समारोहों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है।

'विकसित केरलम' से बनेगा विकसित भारत' का रास्ता

शाह ने कहा कि भाजपा के लिए सरकार में मुख्यमंत्री रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि यहां उसका राज्य कार्यालय विकसित केरलम का केंद्र बने। विकसित भारत' का रास्ता 'विकसित केरलम' से होकर ही जाता है। अब से भाजपा का मूल उद्देश्य विकसित केरलम होगा।

देश 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त होगा

शाह ने कहा कि भारत 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद का जवाब पीएम मोदी और भाजपा के अलावा कोई नहीं दे सकता। हमने उरी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक से, पुलवामा हमलों का जवाब एयर स्ट्राइक से, ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुस के मारा से दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने केरल के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा जारी धनराशि से कई गुना ज़्यादा धनराशि जारी की है। मैं भाजपा मुख्यालय के माध्यम से इसके बारे में हर विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करूंगा।

कांग्रेस के समय में सभी आंखों पर पट्टी बांधकर रखते थे, बुजुर्ग पेंशन मिलने का इंतजार करते थे

मुख्यमंत्री सैनी का कटाक्ष, कांग्रेस के नेताओं को विकास नहीं दिखता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के नेताओं को यदि प्रदेश में विकास नहीं दिख रहा तो वे अपने चश्मे का नंबर चैक करवा लें। कांग्रेस के नेता अपनी सरकार के समय को याद कर लें जब नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे।

मुख्यमंत्री ने कैथल में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता और जन-जन तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने में नया आयाम रचा है। सेवा वितरण प्रणाली में पारदर्शिता, सरलता सुलभ तरीके से पहुँचे। परिवार पहचान पत्र जैसी अभिनव पहल के जरिए योजनाओं की सीधी पहुँच नागरिकों तक बनी है। आज प्रदेश के 76 लाख परिवारों को 500 से अधिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर बैठे मिल रहा है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के समय में तो बुजुर्गों को पेंशन बनवाने के लिए दफ्तर के चक्कर काटने पड़ते थे, फिर भी दो-दो साल तक पेंशन का लाभ नहीं मिलता था। उस समय के वजीर और मुखिया आंखों पर पट्टी बांधकर रखते थे, बुजुर्गों को केवल धक्के खिलाते थे और बुजुर्ग इंतजार करते थे कि उनको पेंशन कब मिलेगी। जबकि हमारी सरकार ने सिस्टम को ठीक किया और परिवार पहचान पत्र के माध्यम से प्रोएक्टिव मोड में पेंशन का लाभ देकर बुजुर्गों को बड़ी राहत दी है। कांग्रेस के समय जहां केवल 17 लाख बुजुर्गों को ही पेंशन का लाभ मिलता था, वहीं आज 36 लाख लाभार्थियों को 3000 रुपए प्रति माह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता अपने समय में किसान हित की केवल बयानबाजी करते थे, लेकिन उन्होंने किसान हित में कभी कोई काम नहीं किया। कांग्रेस के डीएनए में ही किसान हित नहीं है। जबकि हमारी डबल इंजन की सरकार ने किसानों की शत प्रतिशत फसल एमएसपी पर खरीदने का फैसला किया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 20 लाख किसानों को 6,563 करोड़ रुपए की राशि 19 किस्तों में दी गई। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल में किसानों को फसल खराबे की एवज में केवल 1155 करोड़ रुपए का ही मुआवजा दिया गया था, जबकि हमारी सरकार ने 2014 के बाद से लगभग साढ़े 10 वर्षों में किसानों को 15,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुआवजा दिया है।

कांग्रेस के एक नेता के अटैची लाओ- नौकरी पाओ वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बिना पर्ची बिना खर्ची के युवाओं को पारदर्शिता के आधार पर सरकारी नौकरी मिल रही है। कांग्रेस नेता शायद अपने समय की बात कर रहे हैं। उनके समय में तो कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यहां तक कहा था कि नौकरियों में बंदरबाट है, क्या लाला की दुकान बना रखी है।

सुकमा में 'नियद नेल्ला नार' का असर

एक करोड़ से ज्यादा के इनामी 23 नक्सलियों ने किया सरेंडर

एजेंसी ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 23 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने घुटने टेक दिए और आत्मसमर्पण किया। इन पर एक करोड़ से ज्यादा का इनाम था। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर क्षेत्र में बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। सरेंडर करने वाले 23 नक्सलियों में नौ महिला नक्सली शामिल थीं। नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति, 'नियद नेल्ला नार'(आपका अच्छा गांव) योजना से प्रभावित होकर और अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार पुलिस के बढ़ते प्रभाव से सरेंडर करने का फैसला किया। इन नक्सलियों पर कुल 1.18 करोड़ का इनाम था। सरेंडर करने वाले में लोकेश,रमेश, कवासी मासा, प्रवीण, नुप्पो गंगी , पुनेम देवे, परस्की पांडे ,माड़वी जोगा, नुप्पो लच्छु , पोड़ियाम सुखराम और दूधी भीमा शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति ने कोटा स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में यह बात कही

कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन गए हैं, ये प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं: धनखड़

कोचिंग सेंटरों को अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में बदलने के लिए करना चाहिए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा, कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन गए हैं। वे प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं। कोचिंग सेंटर तेजी से फैल रहे हैं। यह हमारे युवाओं के लिए खतरनाक है, जो हमारे भविष्य हैं। हमें इस चिंता जनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा व्यवस्था को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते।

राजस्थान के कोटा स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के चौथे दीक्षांत समारोह को आज मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, आज हम गुरुकुल की बात कैसे कर सकते हैं

भारतीय संविधान में 22 दृश्य चित्रणों में एक गुरुकुल की भी छवि है। हम हमेशा से ज्ञान के दान में विश्वास करते रहे हैं। कोचिंग सेंटरों को अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में बदलने के लिए करना चाहिए। मैं सिविल सोसाइटी और मेरे सामने और बाहर मौजूद जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि वे इस बीमारी की गंभीरता को समझें। उन्हें शिक्षा में विवेकशीलता बहाल करने के लिए एकजुट होना होगा। हमें कौशल के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है, उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा, अब राष्ट्रों को सेनाओं द्वारा नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म के ज़रिए नियंत्रण में लाया जाएगा, क्योंकि सेनाओं की जगह अब एल्गोरिद्म ने ले ली है। संप्रभुता अब आक्रमणों से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल ढांचे पर निर्भरता के कारण खोएगी।धनखड़ ने रक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता पर चिंता जताते हुए कहा, यदि हम बाहर से प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण प्राप्त करते हैं, विशेष रूप से रक्षा जैसे क्षेत्रों में, तो उस देश के पास हमें रोकने की शक्ति है। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में वैश्विक शक्ति की गतिशीलता कैसे बदल रही है, और कहा, 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब ज़मीन या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध के दिन अब बीत चुके हैं। हमारी क्षमता, हमारी शक्ति का निर्धारण कोड, क्लाउड और साइबर द्वारा किया जाना चाहिए।धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि अंकों के प्रति जुनून सीखने की भावना को किस प्रकार नुकसान पहुंचा रहा है। उत्तम ग्रेड और मानकीकृत अंकों के प्रति जुनून ने जिज्ञासा को नुकसान पहुंचाया है, जो मानव बुद्धि का एक अभिन्न पहलू है। सीटें सीमित हैं, लेकिन कोचिंग सेंटर पूरे देश में फैले हुए हैं।

अधिकारी किसानों के बजाए गैरकानूनी तरीके से बीमा क्षेत्र कंपनियों को पहुंचा रहे हैं लाभ

कृषि बीमा योजनाएं किसानहित में हों न कि कंपनियों के लिए मुनाफा बनेः सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सैलजा ने हरियाणा में फसल बीमा योजना की गंभीर खामियों और किसानों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की

सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में फसल बीमा योजना की गंभीर खामियों और किसानों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कुमारी सैलजा ने कहा कि फसल बीमा योजना का मूल उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक आपदाओं के समय आर्थिक राहत देना था, लेकिन यह योजना अब बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनकर रह गई है। बीमा के नाम पर घोटाला करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मीडिया को जारी बयान में कुमरी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के अलग अलग जिलों में हजारों किसान कई वर्षों से फसल बीमा का क्लेम पाने के लिए भटक रहे हैं। पर उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है। किसान एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में चक्कर काटने में लगा हुआ है। अधिकारियों और बीमा कंपनियों का गठजोड़ किसानों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। किसानों को परेशान करने वाले ऐसे अधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। जब किसान अपनी फसलों का बीमा करवाता है तो कंपनियां न तो समय पर सर्वे कराती हैं और न ही नुकसान के आकलन में पारदर्शिता रखती हैं।

उन्होंने कहा कि अनेक किसानों को तो बीमा क्लेम से संबंधित कोई दस्तावेज ही नहीं दिया जाता, जबकि वाहन बीमा जैसे क्षेत्रों में उपभोक्ता को पूरी बीमा पॉलिसी सौंपी जाती है। यह दोहरी नीति किसानों के साथ अन्याय है। इससे साफ लगता है कि कंपनियों का शुरू से ही दरादा मुनाफा रहा है किसानों के हित से उन्हें कोई लेना देना नहीं है। सांसद ने आरोप लगाया कि बीमा कंपनियां गांव को एक इकाई मानकर पूरे क्षेत्र का नुकसान आंकती हैं। यदि किसी खेत में वास्तविक नुकसान हुआ है लेकिन पूरा गांव घोषित नुकसान की श्रेणी में नहीं आता, तो उस किसान को क्लेम नहीं मिलता। यह व्यवस्था किसान विरोधी है और इसमें तुरंत बदलाव होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकारें केवल प्रीमियम वसूलने तक ही जिम्मेदारी निभाती हैं। लेकिन जब क्लेम देने की बात आती है, तो किसानों को बीमा कंपनियों के रहमोकरम पर छोड़ दिया जाता है। यह स्थिति तुरंत बदली जानी चाहिए। कुमारी सैलजा ने कि कपास उत्पादक क्षेत्रों में खरीफ-23 कपास बीमा क्लेम निर्धारण में कृषि विभाग और सीआईसी कंपनी अधिकारियों की मिलीभगत से भिवानी और चरखी दादरी में 300 करोड़ का बीमा घोटाला हुआ जिसमें आज तक न तो दोषी अधिकारियों को कोई सजा मिली और न ही पीड़ित किसानों को मुआवजा ही मिला।

सांसद कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की है कि किसानों को व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी दी जाए, जैसे अन्य बीमा क्षेत्रों में दी जाती है। बीमा सर्वे में पारदर्शिता हो और व्यक्तिगत खेत के नुकसान का आकलन हो। क्लेम की राशि एक तय समयसीमा के भीतर दी जाए अधिकतम 60 दिनों में। बीमा के नाम पर मुनाफाखोरी कर रही कंपनियों पर निगरानी रखी जाए और लापरवाही पर जुर्माना लगाया जाए।

कोलकाता में फिर रेप, मामले ने पकड़ा तूल

आईआईएम के बॉयज हॉस्टल में लड़की के साथ रेप, अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आरोप लगा है एक सेकंड ईयर की लड़की के साथ बॉयज हॉस्टल में रेप किया गया। पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार भी किया है। पीड़िता ने बताया है कि काउंसलिंग सेशन के नाम पर उसे बॉयज हॉस्टल में बुलाया गया था। उसे कुछ चीज खाने की दी गई और पीने के लिए ड्रिंक भी मिली। वह बेहोश हो गई और जब होश में आई तो उसने खुद को हॉस्टल में पाया और उसे पता चला कि उसके साथ रेप हुआ है। आरोपी ने धमकी दी थी।

बेटी के साथ कुछ नहीं हुआः पिता

इस मामले में पीड़िता के पिता ने कहा कि मेरी बेटी के साथ रेप या टॉर्चर जैसा कुछ नहीं हुआ। रात करीब 9:34 बजे उन्हें बेटी का कॉल आया था। लड़की ने बताया कि वह कार से गिर गई थी और कुछ देर तक बेहोश रही। उसने अपनी लोकेशन साझा नहीं की।

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

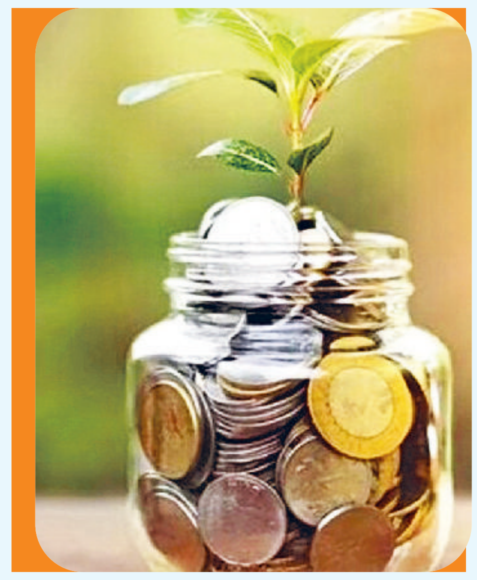

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रैच्युटी

समझदारी

बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रैच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोटः यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%

- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

जानकारी

बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं

- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ

- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

विंबलडन: हैट्रिक बनाने कोर्ट में उतरेंगे अल्काराज, सिनर की निगाह पहले खिताब पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

पिछले दो बार के विजेता कार्लोस अल्काराज रविवार को होने वाले विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे जबकि उनके कट्टर प्रतिद्वंदी और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ऑल इंग्लैंड क्लब में पहली बार चैंपियन बनने की कोशिश करेंगे। इस मैच में फ्रेंच ओपन के फाइनल की पुनरावृति होगी, जिसमें अल्काराज ने पहले दो सेट गंवाने और तीन मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की थी।

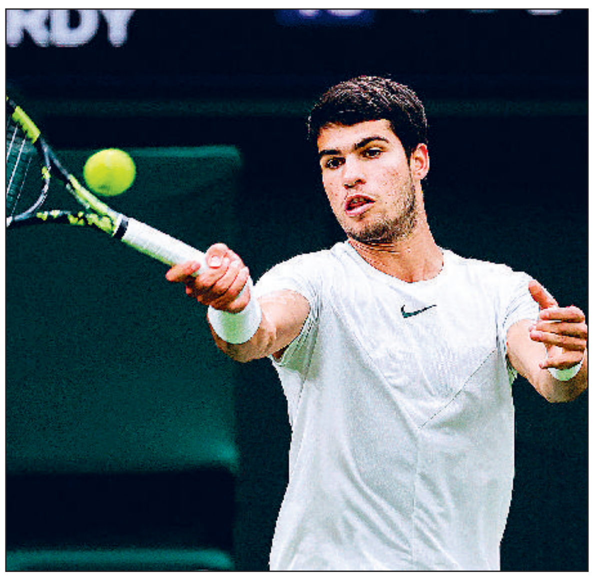

पुरुष एकल का फाइनल मुकाबला आज

अल्काराज ने सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को दी मात

अल्काराज ने विंबलडन के शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर लगातार तीसरी विंबलडन चैंपियनशिप जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। इसके बाद सिनर की बारी आई और उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार ऑल इंग्लैंड क्लब में फाइनल में प्रवेश किया।

अल्काराज विंबलडन में लगातार 24 मैच जीते

अल्काराज का ग्रैंड स्लैम फाइनल में रिकॉर्ड 5-0 है। सिनर के नाम पर तीन ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। अल्काराज विंबलडन में लगातार 24 मैच जीत चुके हैं और वह इस संख्या में इजाफा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो 12 मैच खेले गए हैं उनमें से अल्काराज ने आठ और सिनर ने चार मैच जीते हैं। अल्काराज ने हालांकि इटली के खिलाड़ी के खिलाफ पिछले पांचों मुकाबले जीते हैं।

फ्रेंच ओपन के 5 सप्ताह बाद दोनों खिलाड़ी फिर होंगे आमने-सामने

फ्रेंच ओपन के फाइनल के ठीक 5 सप्ताह बाद यह दोनों खिलाड़ी फिर से एक दूसरे के आमने सामने होंगे। फर्क सिर्फ इतना है कि फ्रेंच ओपन का फाइनल लाल बजरी पर खेला गया था जबकि विंबलडन का फाइनल ग्रास कोर्ट पर होगा। अल्काराज ने फ्रेंच ओपन का फाइनल 5 घंटे 29 मिनट में जीता था और रविवार को यहां इन दोनों के बीच फिर से कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। स्पेन के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि वह उनके करियर का सबसे कड़ा मैच था। उन्होंने कहा, ' यह अब तक का मेरा सबसे अच्छा मैच था। मुझे इस बात से कोई हैरानी नहीं है कि उसने मुझे मेरी आखिरी सीमा तक धकेल दिया। उम्मीद है कि रविवार को मैं अपनी सीमा में रहूंगा। यह एक शानदार फाइनल होगा और मैं इसमें खेलने के लिए उत्साहित हूं।' अल्काराज ने कहा, 'मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि मुझे फिर से कोर्ट पर साढ़े पांच घंटे न बिताने पड़ें, लेकिन अगर इसकी जरूरत पड़ी तो मैं इसके लिए तैयार हूं।' इटली के खिलाड़ी सिनर को भी उम्मीद है कि यह रोमांचक फाइनल होगा। सिनर ने कहा, 'उम्मीद है कि यह मैच भी पिछले मैच की तरह रोमांचक होगा। मुझे नहीं पता कि यह और बेहतर होगा या नहीं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यह संभव है।

खबर संक्षेप

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप: अदिति संयुक्त 7वें स्थान पर

एवियन ले बेंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां द अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में दो अंडर 69 का कार्ड बनाया, जिससे वह संयुक्त सातवें स्थान से शीर्ष 10 में बनी हुई हैं। पिछले 34 मेजर में वह शुरू में कभी भी शीर्ष 10 में नहीं रह पाई थीं। लेकिन उन्होंने यहां 67 और 69 के कार्ड खेले, जिससे वह शीर्ष पर चल रही दक्षिण कोरिया की सोमी ली (67, 65) से चार शॉट पीछे हैं। अदिति ने बैक नाइन से शुरूआत की और दोनों तरफ दो बर्डी लगाईं और एक बोगी की।

3 अगस्त से एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप

FUTSAL CLUB CHAMPIONSHIP

नई दिल्ली। एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप 3 से 18 अगस्त तक उत्तराखंड के रुद्रपुर में मनोज सरकार स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। टूर्नामेंट के चौथे चरण में 17 क्लब ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। उत्तराखंड की टीम कॉर्बेट एफसी गत विजेता है, जिसने वडोदरा में 2023-24 के फाइनल में गोलाजो एफसी को 3-2 से हराया था। दिल्ली एफसी ने 2021-22 में उद्घाटन चरण जीता था। इसके बाद मिनर्वा अकादमी एफसी ने 2022-23 में खिताब हासिल किया था।

जोटा के जर्सी नंबर का कोई खिलाड़ी नहीं करेगा उपयोग

लिवरपूल। लिवरपूल ने पिछले सप्ताह कार दुर्घटना में डिओगो जोटा की मौत के बाद उनके जर्सी नंबर 20 को रिटायर कर दिया है और क्लब में किसी भी स्तर पर कोई खिलाड़ी इस नंबर का उपयोग नहीं करेगा। पुर्तगाल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी 28 वर्षीय जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा (जो स्वयं फुटबॉल खिलाड़ी थे) की स्पेन के उत्तर-पश्चिमी शहर जमोरा के निकट हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। लिवरपूल ने कहा कि महिला टीम और अकादमी सहित क्लब के सभी स्तरों पर उनके नंबर को हटा दिया जाएगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राहुल ने जड़ा शतक, पंत के अर्धशतक से भारत की पकड़ मजबूत

भारत और इंग्लैंड की पहली पारी बराबरी पर छूटने के बाद लॉड्र्स टेस्ट में रोमांच बढ़ा

एजेंसी ▶▶| लंदन

लोकेश राहुल ने ऐतिहासिक लॉड्र्स में अपना दूसरा शतक जड़ा, जिसके बाद भारत ने तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड के पहली पारी के 387 रनों की बराबरी करने में सफल रहा। राहुल के बेहतरीन प्रदर्शन (177 गेंदों पर 100 रन) के अलावा, रविंद्र जडेजा (131 गेंदों पर 72 रन) और ऋषभ पंत (112 गेंदों पर 74 रन) ने भारत के पहली पारी के दौरान अहम योगदान दिये। भारत के लिए ऐसी पिच पर आखिरी बल्लेबाजी करना एक चुनौती होगी जहां कुछ गेंदें पिच होने के बाद थोड़ा उछल रही हों और साथ ही कुछ टर्न भी मिल रहा हो। भारतीय पारी के 387 रन पर सिमटने के बाद जैक क्रॉली ने कीमती समय बर्बाद करते हुए यह सुनिश्चित किया कि उन्हें जसप्रीत बुमराह का केवल एक आक्रामक ओवर ही झेलना पड़े, जिससे इंग्लैंड चौथे दिन दो रनों की मामूली बढ़त के साथ मैदान पर उतरेगा। क्रॉली दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है जबकि बेन डकेट ने अभी खाता नहीं खोला है। तीसरे दिन के आखिरी पांच मिनट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल और क्रॉली के बीच तीखी नोकझोंक हुई। क्रॉली जब समय बर्बाद कर रहे थे तब भारतीय कप्तान ने कुछ कड़े शब्दों में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज से बुमराह का सामना करते हुए कुछ हिम्मत दिखाने को कहा।

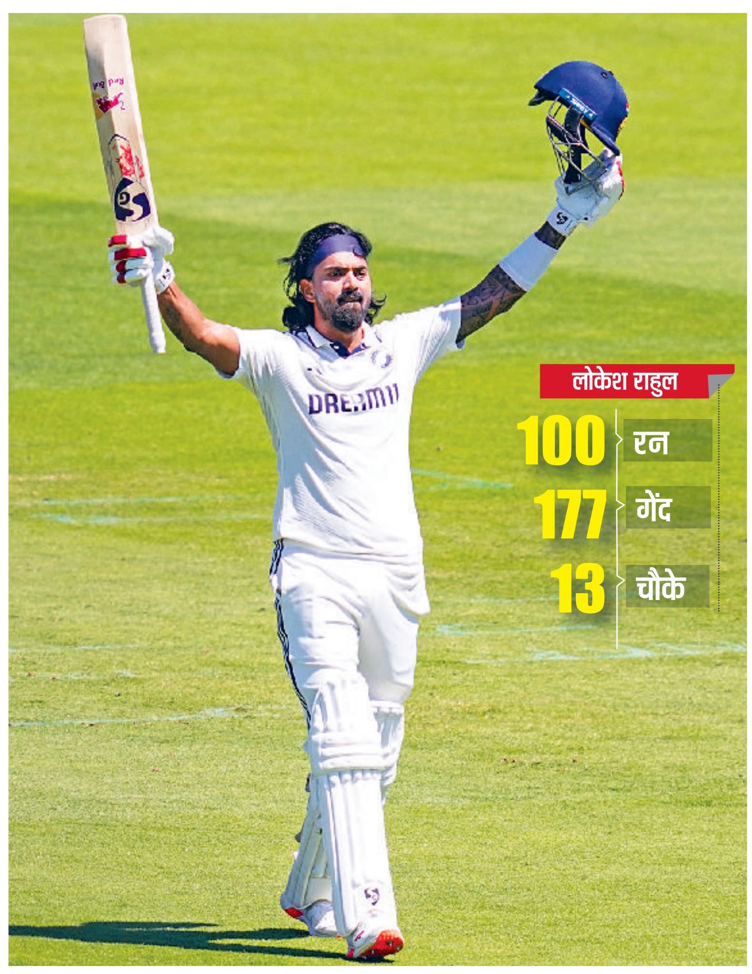

वेंगसरकर के बाद लॉड्र्स में दो टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने राहुल

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शनिवार को मध्यक्रम के दिग्गज खिलाड़ी दिलीप वेंगसरकर के बाद लॉड्र्स में एक से ज्यादा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन लंच ब्रेक के तुरंत बाद जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर्स में एक रन लेकर यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि राहुल तिहरे अंक तक पहुंचने के तुरंत बाद ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की गेंद पर आउट हो गए। यह खेल के पारंपरिक प्रारूप में कुल मिलाकर उनका 10वां और विदेशी धरती पर नौवां शतक था। कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने 177 गेंद में 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। लीड्स में श्रृंखला के पहले मैच में शतक लगाने के बाद मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला में यह उनका दूसरा शतक है। राहुल ने क्रीज पर कुछ शानदार ड्राइव और फ्लिक खेले। वेंगसरकर ने 1979, 1982 और 1986 में लॉड्र्स में तीन शतक लगाए हैं। राहुल और वेंगसरकर सहित 10 भारतीय लॉड्र्स में 'ऑनर्स बोर्ड' पर जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। वेंगसरकर क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले इस प्रतिष्ठित स्थल पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। राहुल ने इस स्थल पर पहला शतक 2021 में लगाया था जब उन्होंने भारत की 151 रन की जीत में 129 रन बनाए थे। श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है।

मोनाको डायमंड

200 मीटर स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे अनिमेष, दौड़ पूरी नहीं कर पाए साबले

एजेंसी ▶▶| मोनाको

तेजी से उभरते धावक छत्तीसगढ़ के अनिमेष कुजूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रगति जारी रखते हुए मोनाको डायमंड लीग में अंडर-23 की 200 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। वहीं अनुभवी स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले गिरने के कारण मोनाको डायमंड लीग में दौड़ पूरी नहीं कर सके।

ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले को अपनी पसंदीदा 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में शीर्ष 5 में जगह बनाने की उम्मीद थी लेकिन वह दौड़ के शुरू में ही गिर गए। इसके बाद वह असहज महसूस करने लगे। मौजूदा एशियाई चैंपियन साबले लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए और उनकी चोट की गंभीरता अभी तक ज्ञात नहीं है। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन इस वर्ष वह अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

वह पिछले दो डायमंड लीग मुकाबलों में 13वें और आठवें स्थान पर रहे हैं। मोरक्को के सौफियान एल. बक्काली ने 8:01.18 सेकंड के समय के साथ दौड़ जीती, जबकि जापान के रयुजी मिउरा 8:03.43 सेकंड के समय के साथ 19 धावकों में दूसरे और कीनिया के एडमंड सेरिम 8:04.00 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

डायमंड लीग : चोपड़ा और नदीम होंगे आमने-सामने

सिलेसिया (पोलैंड)। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग (डीएल) में गत चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ एक बहुप्रतीक्षित मुकाबले में आमने-सामने होंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद दोनों खिलाड़ियों की यह पहली टक्कर होगी। चोपड़ा और नदीम 8 अगस्त, 2024 को पेरिस में हुए पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के एक साल बाद एक-दूसरे का सामना करेंगे।

ज्योति सुरेखा चमकीं, भारत ने तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो रजत व एक कांस्य जीता

मैड्रिड (भाषा)। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो रजत और एक कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर अपनी हैट्रिक पूरी की। पदक जीतने के बावजूद इस प्रदर्शन ने भारतीय तीरंदाजों की मुश्किल परिस्थितियों में दबाव में संघर्ष को उजागर कर दिया। क्वालीफिकेशन दौर में कुल 2116 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली ज्योति, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका प्रदीप की तिकड़ी स्वर्ण पदक की ओर बढ़ती दिख रही थी और तीसरे दौर के बाद 170-169 की बढ़त बनाए थी। लेकिन यह तिकड़ी निर्णायक क्षण में आए दबाव में लड़खड़ा गई और चीनी ताइपे से 225-227 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गई। इस हार ने एक बार फिर टीम की मानसिक कमजोरियों को उजागर कर दिया और 2022 एशियाई खेलों के बाद कंपाउंड कोच सर्जियो पाग्नी के जाने के बाद से पैदा हुए खालीपन को भी उजागर कर दिया।

चीनी ताइपे की हुआंग आई-जौ, चेन यी-ह्सुआन और चिउ यू-एर्ह की तिकड़ी ने संयम बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बाद में मिश्रित टीम स्पर्धा में ज्योति और ऋषभ यादव की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 10वीं वरीयता प्राप्त एल साल्वाडोर की पाओला कोराडो और डगलस व्लादिमीर नोलास्को की जोड़ी को 156-153 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय मिश्रित जोड़ी ने पहले दिन कुल 1431 अंकों के साथ क्वालीफाइंग विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था।

नीरू पहली बार विश्व कप फाइनल में पहुंची

लोनाटो (इटली)। राष्ट्रीय खेलों की चैंपियन नीरू ढांडा शनिवार को चौथे और अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन के अंतिम दिन पहली बार विश्व कप फाइनल में पहुंचीं और महिला ट्रैप में चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने 50 शॉट के फाइनल में अपने पहले 35 में से 30 निशाने लगाए। नीरू ने इटली की एलेसिया इज्जी पर शूट-ऑफ 2-1 से जीतकर छठा और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया था। एलिमिनेशन चरण में वह कांस्य पदक विजेता और निकोसिया विश्व कप की विजेता तटस्थ एथलीट लाडा डेनिसोवा और पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता इटली की सिल्वाना मारिया स्टैंको के साथ बराबरी करने के बाद बड़े बिब नंबर के कारण बाहर हो गईं।

धीमी ओवर गति के लिए टीमों पर जुर्माना लगाना पर्याप्त नहीं, क्योंकि खिलाड़ी काफी अमीर : वॉन

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉड्र्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन केवल 75 ओवर फेंके गए, जिसके बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा, जिससे कि टीम टेस्ट मैच के पांचों दिन 90 ओवर का कोटा अनिवार्य रूप से पूरा करें। भारत ने टेस्ट के पहले दिन 83 ओवर फेंके, जबकि दूसरे दिन 75 से भी कम ओवर फेंके जा सके, जिससे दोनों दिनों में कुल मिलाकर लगभग 23 ओवर कम हो गए। वॉन ने कहा कि धीमी ओवर गति के लिए टीमों को दंडित करना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि खिलाड़ी काफी अमीर हैं और उन पर लगाए गए जुर्माने से वे प्रभावित नहीं होंगे।

दूसरे, तीसरे और चौथे दिन खेल इतनी धीमी गति से क्यों

वॉन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि जुर्माना काम करेगा। मुझे लगता है कि ये लड़के (क्रिकेटर) काफी अमीर हैं। मुझे नहीं लगता कि जुर्माना लगाने से उन पर किसी तरह का प्रभाव पड़ेगा।' वह यह समझ नहीं पा रहे हैं कि टीमें पहले चार दिनों में ओवरों का कोटा पूरा क्यों नहीं कर पाई जबकि पांचवें और अंतिम दिन उन्होंने पूरे 90 ओवर किए।

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जीता अपना पहला विंबलडन खिताब

भाषा ▶▶| लंदन

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने शनिवार को यहां अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराकर पहली बार विंबलडन और छठा ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम किया। यह 114 वर्षों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी। फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीतने वाली 24 वर्षीय स्वियातेक ने सेंटर कोर्ट पर धूप भरी दोपहर में केवल 57 मिनट में 13वीं वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा को हराकर आखिरकार ग्रासकोर्ट पर अपनी पहली ट्रॉफी जीत ली। इस तरह स्वियातेक विंबलडन में लगातार आठवीं बार पहली बार महिला चैंपियन बनी हैं। आठवीं वरीय स्वियातेक कुल अंक में 55-24 से आगे रहीं और इस दौरान उन्होंने महज 10 विनर लगाए। पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंची 23 वर्षीय अनिसिमोवा शुरुआत से ही लड़खड़ाती रहीं और 28 'अनफोर्स्ड' गलतियां कर बैठीं। स्वियातेक ने इस तरह लंबे समय से चले आ रहे ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया। उन्होंने पिछली ट्रॉफी एक साल से भी ज्यादा समय पहले जून 2024 में रोलां गैरां में जीती थी। वेल्स की राजकुमारी केट शनिवार को रॉयल बॉक्स में बैठी थीं और बाद में कोर्ट पर हुए समारोह में भी शामिल हुईं। स्वियातेक की जीत बाकियों से अलग है क्योंकि यह उन्हें दबदबे भरे शानदार प्रदर्शन से मिली। अनिसिमोवा ने सेमीफाइनल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराया था लेकिन शनिवार को ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि वह वहीं खिलाड़ी थीं। जब मैच खत्म हुआ तो स्वियातेक अपनी टीम के साथ जश्न मनाने के लिए स्टैंड में चढ़ गईं जबकि अनिसिमोवा के आंसू निकल रहे थे।

दोनों टीमों ने की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, 14.18 की औसत से बने रन

टी-20 इंटरनेशनल का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, मैच में लगे 41 छक्के

एजेंसी ▶▶| बुल्गारिया

एसीएन बुल्गारिया टी20 ट्राई सीरीज के एक मैच में रिकॉर्ड तोड़ रन बने हैं। यह मैच बुल्गारिया और जिब्राल्टर के बीच खेला गया। इस मैच को बुल्गारिया ने अपने नाम किया हो लेकिन दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने इस मैच में गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इस मैच में 14.18 के रन रेट से रन बनाए गए हैं, जो कि टी20 क्रिकेट में पहली बार हुआ है। इससे पहले न्यूजीलैंड और स्कॉटलैंड के बीच 2009 में 13.76 के रन रेट से रन बने थे। इस टी20 मैच में कुल 41 छक्के लगाए गए हैं। यही नहीं दोनों पारियों को मिलाकर 35 ओवर से भी कम में यहां 450 से ज्यादा रन बने।

जिब्राल्टर ने 20 ओवर में बनाए 243 रन

इस मैच में जिब्राल्टर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 243 रन बनाए। टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज फिल रैक्स ने 33 गेंद पर 73 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान चार चौके और आठ छक्के जड़े। यही नहीं कप्तान इयान लैटिन ने 51 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके और दो छक्के जड़े। लुईस बूस ने 24 रन की पारी खेली जबकि क्रिस पाईल ने 22 रन बनाए। बुल्गारिया की ओर से जैकब गुल ने चार ओवर में 37 रन देकर चार विकेट झटके।

बुल्गारिया ने 15 ओवर में जीता मैच

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुल्गारिया ने इस मैच को 15 ओवर के भीतर ही जीत लिया। टीम की ओर से मनन बशीर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंद पर 3 चौके और 9 छक्कों की मदद से 70 रन की विस्फोटक पारी खेली। यही नहीं सलामी बल्लेबाज इसा जरू ने 24 गेंद पर 9 चौके और 5 छक्कों की मदद से 69 रन की पारी खेली। मिलन गोगेव ने 69 रन का योगदान दिया। यही नहीं कप्तान क्रिस लाकोव ने 19 रन बनाए। बुल्गारिया की ओर से लुईस बूस ने चार ओवर में 48 रन देकर दो विकेट झटके।

टॉप पर बुल्गारिया

इस मैच में बल्लेबाजों ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। इस जीत के साथ बुल्गारिया के चार अंक हो गए हैं और वो पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है। जिब्राल्टर भले ही मैच हार गए हो लेकिन उनके भी चार अंक हैं। टीम का नेट रन रेट बुल्गारिया से कम है और इसी वजह से वो दूसरे स्थान पर हैं। इस ट्राईसीरीज में तुर्की में भाग ले रही है जिसने दो मैच खेले हैं और दोनों में उन्होंने हार का सामना किया है। टीम का खाता नहीं खुला है और वो पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है।

इसरो के मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारियां तेज, सिस्टम अलग-अलग चरणों और इंसान को सुरक्षित ले जाने की जरूरतों पर खरा उतरा

गगनयान की उड़ान के लिए इंजन तैयार, मिशन एबॉर्ट परीक्षण सफल

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

यह सिस्टम उस हिस्से को मदद करता है जो इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाएगा। इसका काम रॉकेट को सही कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाना, उड़ान के दौरान दिशा को नियंत्रित करना, जरूरत पड़ने पर रॉकेट की गति को धीमा करना और अगर कोई गड़बड़ी हो जाए तो मिशन को बीच में रोककर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाना है

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि उसने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके साथ ही इस सिस्टम के सभी जरूरी परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं। शुक्रवार को इस सिस्टम का 350 सेकंड (करीब 6 मिनट) तक एक बड़ा परीक्षण किया गया। इसका मकसद यह देखना था कि अगर उड़ान के दौरान कोई गड़बड़ी हो जाए और मिशन को बीच में रोकना पड़े (जिसे 'मिशन एबॉर्ट' कहा जाता है), तो यह सिस्टम सही तरीके से काम करता है या नहीं।

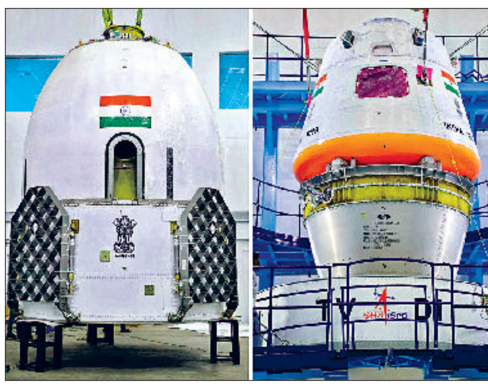

प्रोपल्शन सिस्टम में दो इंजन लगे हुए

इस सिस्टम में दो खास तरह के इंजन काम करते हैं - लिक्विड एपोजी मोटर (एलएएम) रॉकेट को उसकी सही कक्षा में लाने और फिर धीरे-धीरे नीचे लाने में मदद करते हैं। रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम (आरसीएस) रॉकेट की दिशा को बहुत सटीक तरीके से नियंत्रित करता है। इसरो ने बताया कि एसएमपीएस को अच्छे से परखने के लिए एक मॉडल तैयार किया गया, जिसे सिस्टम डेमोंस्ट्रेशन मॉडल (एसडीएम) कहा जाता है। इस मॉडल में वह सभी हिस्से शामिल थे जो असली सिस्टम में भी होंगे - जैसे ईंधन टैंक से ईंधन भेजने वाला सिस्टम, हीलियम गैस का दबाव बनाए रखने वाला सिस्टम, उड़ान में काम करने वाले छोटे-छोटे इंजन (थ्रस्टर)।

4 घंटे तक चले परीक्षण

इस मॉडल पर इसरो ने 25 बार अलग-अलग तरह के परीक्षण किए - कुछ सामान्य हालातों में और कुछ मुश्किल हालातों में। ये सारे परीक्षण टेस्ट मिलाकर कुल 14,331 सेकंड (करीब 4 घंटे) तक चले। इनका मकसद यह देखना था कि यह सिस्टम गगनयान मिशन के अलग-अलग चरणों और इंसान को सुरक्षित ले जाने की जरूरतों पर खरा उतरता है या नहीं।

दो तरह के ईंधन से चलाया

प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन सामान्य रहा

इसरो ने कहा कि हॉट परीक्षण के दौरान प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा। गगनयान के सर्विस मॉड्यूल में एक खास सिस्टम लगाया गया है जो दो तरह के ईंधन से चलता है। यह सिस्टम उस हिस्से को मदद करता है जो इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाएगा। इसका काम रॉकेट को सही कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाना, उड़ान के दौरान दिशा को नियंत्रित करना है।

कल लौटेंगे शुभांशु शुक्ला व अन्य यात्री

एक्सिओम स्पेस ने घोषणा की है कि उनकी मिशन की टीम 14 जुलाई 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे से पहले अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन से अलग होगी। इस मिशन में शामिल भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भी पृथ्वी पर वापस लौटेंगे, जो भारत के लिए गर्व का क्षण है। घर वापसी से पहले मिशन के सदस्यों ने पार्टी की। ऐपेटाइजर के लिए, सदस्यों ने रीहाइड्रेटेड श्रिम्प कॉकटेल और क्रैकर्स बनाए। मुख्य भोजन में चिकन और बीफ़ फजीटा शामिल थे। मीठी ब्रेड, कंडेंस्ड मिल्क और अखरोट से बने स्वादिष्ट केक के साथ रात का समापन किया।

रूस-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियां...

पाकिस्तान की स्टील मिल को पुनर्जीवित करेगा रूस, दोनों देशों के बीच हुआ समझौता

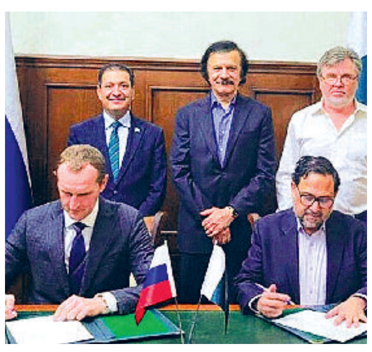

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध और भारत की अमेरिका से बढ़ती दोस्ती के बीच बीते कुछ वक्त से एशिया महाद्वीप में चीन-पाकिस्तान और रूस के एक नए त्रिपक्षीय गठजोड़ की चर्चा तो आम है। लेकिन शनिवार को इसका एक और बड़ा प्रमाण मिला। जिसमें यह जानकारी सामने आई कि पाकिस्तान ने कराची स्थित अपनी स्टील मिल (पीएसएम) को पुनर्जीवित करने के लिए रूस के साथ एक औद्योगिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

- चीन भी इस मिल से जुड़े प्रोजेक्ट को हासिल करने की दौड़ में शामिल था, लेकिन अंत में रूस ने बाजी मारी

दोनों देशों के बीच यह समझौता रूस की राजधानी मॉस्को में मौजूद पाकिस्तान के दूतावास में हुआ। जिसमें पाकिस्तान की तरफ से उद्योगों और उत्पादन के सचिव सैफ अंजुम और रूस के उद्योग इंजीनियरिंग के जनरल डायरेक्टर वादिम वेलिचको मौजूद थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के विशेष सहायक हारून अख्तर खान और रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

यूएसएसआर ने बनाई थी ये मिल: कराची स्टील मिल का निर्माण दरअसल वर्ष 1970 में तत्कालीन सोवियत संघ (यूएसएसआर) की मदद से ही किया गया था। लेकिन बीते काफी वक्त से यह पाकिस्तान पर वित्तीय बोझ बनी हुई थी यानी घाटे में चल रही थी। वर्ष-2008 में इस मिल का पतन शुरू हुआ। समझौते के साथ-साथ पाकिस्तान इस मिल की मौजूदा

सुविधा को विघटित करेगा। उसके बाद सिंध की सरकार को 700 एकड़ की जमीन दी जाएगी। जिसमें एक नई स्टेट-ऑफ-द-आर्ट स्टील मिल स्थापित की जाएगी। जबकि इससे जुड़ी हुई अतिरिक्त जमीन का इस्तेमाल एक इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में किया जाएगा। मिल को फिर से शुरू करने के पीछे पाकिस्तान की एक मंशा इसके जरिए अपने स्टील उत्पादन को शुरू करके उसका विस्तार करने की है। समझौते से रूस-पाकिस्तान के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी।

पाक ने बताया साझा इतिहास, प्रतिबद्धता: पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के विशेष सहायक ने कहा कि इस स्टील मिल को पुनर्जीवित करने में मिला रूस का समर्थन हमारे दोनों देशों के साझा इतिहास और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। जिसके पीछे एक मजबूत औद्योगिक भविष्य ही उद्देश्य है। जबकि रूस के उप-प्रधानमंत्री एलेक्सी लोगविनोविच ओवरचुक ने रूस-पाकिस्तान समझौते को लेकर कहा कि दोनों देश प्राकृतिक सहयोगी के साथ-साथ अर्थव्यवस्था और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सामरिक भागीदार भी हैं। पाकिस्तान ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिरता से जुड़े एक अहम पक्ष के रूप में भी परिभाषित किया है।

भारत के लिए समझौते का नफा-नुकसान: जानकारों की राय में तेजी से बदलते हुए वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम के बीच रूस की पाकिस्तान से बढ़ती नजदीकियां भारत के लिए चिंता का सबब हैं। क्योंकि भारत के रूस के साथ प्राचीन ऐतिहासिक संबंध हैं। हर परिस्थिति में रूस, भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है और भारत ने भी रूस के साथ अपनी घनिष्ट मित्रता को समय-समय पर साबित किया है। इसके अलावा रूस, भारत का सैन्य हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर है।

वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी जगजाहिर है। ऐसे में अगर भारत का सबसे पुराना और भरोसेमंद मित्र देश (रूस) पाकिस्तान के साथ संबंधों को बढ़ाएगा तो भारत की चिंता बढ़ना लाजमी है। दीर्घावधि दृष्टिकोण से इस नए गठजोड़ से क्षेत्र के सुरक्षा समीकरण गड़बड़ा सकते हैं। क्योंकि रूस केवल पाकिस्तान से ही नहीं बल्कि चीन से अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने में जुटा हुआ है।

भारत-इंडोनेशिया सैन्य वार्ता संपन्न

क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए दोहराई प्रतिबद्धता

एजेंसी ▶▶ बाली

भारत और इंडोनेशिया के बीच बाली में सैन्य स्तर की 11वीं वार्ता संपन्न हुई। यह 8 से 10 जुलाई 2025 तक आयोजित हुई थी। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए मजबूत साझेदारी पर जोर दिया। भारतीय सेना के जनसंपर्क निदेशालय ने बताया कि दोनों देशों की सेनाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यासों, मनोवैज्ञानिक अभियानों और जंगल व पहाड़ों में युद्ध प्रशिक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की।

रक्षा उद्योग में बढ़ाएंगे सहयोग

रक्षा सहयोग में भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्त जैसी द्विवार्षिक गतिविधियां, सैन्य अभ्यास 'गरुड़ शक्ति', नौसेना अभ्यास 'समुद्र शक्ति' और 'मिलन', 'कोमोडो', 'तरंग शक्ति', 'सुपर गरुड़ शील्ड' जैसे बहुपक्षीय अभ्यास शामिल हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो ने भारत के साथ घरेलू रक्षा निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में सहयोग की इच्छा भी जताई थी। भारत ने इंडोनेशिया के रक्षा आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में सहायता देने के लिए अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने पर सहमति जताई थी। दोनों देशों ने रक्षा उद्योग में सहयोग के लिए संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की प्रतिबद्धता दोहराई।

दोनों देशों के समुद्री बलों ने चेन्नई तट पर किया 'जा-माता' युद्धाभ्यास

भारत-जापान के तटरक्षकबलों के बीच बढ़ेगा सहयोग, संपन्न हुई इत्सुकुशिमा की स्वदेश यात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में तेजी से बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच जापान के तटरक्षकबल के जहाज 'इत्सुकुशिमा' ने सफलतापूर्वक अपनी भारत यात्रा पूरी कर ली है। इत्सुकुशिमा जापान का एक अत्याधुनिक समुद्री प्रशिक्षण पोत है। जो वैश्विक समुद्री प्रशिक्षण यात्रा के तहत 7 से 12 जुलाई तक चेन्नई में बंदरगाह प्रवास के लिए रूका था।

यात्रा के अंतिम दिन 12 जुलाई को जापानी जहाज ने चेन्नई तट के करीब भारतीय तटरक्षकबल के साथ संयुक्त समुद्री युद्धाभ्यास 'जा-माता' किया। जिसका जापानी भाषा में अर्थ 'हम फिर मिलेंगे' होता है। तटरक्षकबल ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि युद्धाभ्यास में दोनों समुद्री सुरक्षा बलों ने जहाज से जुड़े अभियानों, स्टेशन की निगरानी और आग बुझाने की ड्रिल जैसी समन्वित गतिविधियों का अभ्यास किया गया। जो कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक सामंजस्य

और तैयारी का प्रतीक है।

अनुभवों का लाभ मिलेगा

जापान के जहाज में 50 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारी शामिल थे। जिन्हें इस यात्रा के जरिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभियानों के दौरान मिलने वाले व्यापक अनुभव को आत्मसात करते हुए उसका लाभ उठाने का अवसर मिला। इसके अलावा दोनों देशों के तटरक्षकबलों के बीच समन्वय बढ़ाना भी इत्सुकुशिमा जहाज की भारत यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।

चेन्नई में कई जगहों का किया दौरा

तटरक्षकबल ने कहा कि अपने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान जापानी जहाज में शामिल प्रशिक्षु अधिकारियों ने चेन्नई में भारतीय तटरक्षकबल की कई सुविधाओं का दौरा किया। जिसमें उन्हें बल के बहुआयामी अभियानों से संबंधित मूल्यवान सीख मिली। दोनों समुद्री बलों के बीच संवाद से पेशेवर आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है और विभिन्न स्तरों पर आपस में एक-दूसरे से सीखने में भी मदद मिलती है। इत्सुकुशिमा जहाज के साथ भारत आए जापान के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई वाइस एडमिरल कानोसुई हिरोआकी ने की। वह जापान के तटरक्षकबल के उप-कमांडेंट (अभियान) हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय तटरक्षकबल के महानिदेशक परमेश.शिवमणि से शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों देशों के बीच यह गतिविधियां वर्ष 2006 में सहयोग के लिए किए गए ज्ञापन पर आधारित है।

मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म की फ्रांस में जांच शुरू

पेरिस। फ्रांस की पुलिस ने एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। यह जांच डाटा से कथित छेड़छाड़ और धोखाधड़ी के आरोप में की जा रही है। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने शुक्रवार को जांच शुरू करने की घोषणा की। कार्यालय ने बताया कि इस जांच को एक खास शाखा- फ्रांसीसी जेंडरमेरी कर रही है। जांच स्वचालित डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम के कामकाज के साथ संगठित छेड़छाड़ और स्वचालित डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम से संगठित धोखाधड़ी करके डाटा चोरी करने को लेकर की जा रही है।

खुद को माइक्रोसॉफ्ट का कर्मचारी बताकर करते थे ठगी

नोएडा के फ्रॉड कॉल सेंटर से में दो गिरफ्तार

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट ने दी थी संदिग्ध गतिविधि की सूचना, ब्रिटेन की जांच एजेंसी ने सीबीआई की प्रशंसा की

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) ने भारत की केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) और अमेरिका की एफबीआई (एफबीआई) के साथ मिलकर नोएडा में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस कॉल सेंटर से ब्रिटेन और अमेरिका के लोगों को निशाना बनाकर लाखों पाउंड की ठगी की गई थी। इस अंतरराष्ट्रीय जांच की शुरुआत पिछले साल हुई थी जब माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में अपने तकनीकी विशेषज्ञों के जरिए एक संदिग्ध गतिविधि की जानकारी दी। यह जानकारी अमेरिका में मौजूद एनसीए के इंटरनेशनल ऑफिसर्स को मिली, जिन्होंने इसे ब्रिटेन की एक्शन फ्रॉड रिपोर्ट्स से मिलाया। इसके बाद सीबीआई, एनसीए और एफबीआई के बीच आपसी सूचनाओं का आदान-प्रदान हुआ, जिससे जांच को आगे बढ़ाया गया।

ब्रिटेन में 3.9 लाख पाउंड की ठगी

केवल ब्रिटेन में इस गिरोह ने अब तक करीब 3.9 लाख पाउंड (लगभग 4 करोड़ रुपए) की ठगी की है। ठगों ने फर्जी स्क्रीन पॉप-अप और कॉल्स के जरिए लोगों को डराया और फिर उनसे पैसे वसूले। ठगों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए स्पूफ्ड कॉल्स, इंटरनेट टेलीफोन (वीओआईपी), और कई देशों के सर्वरों का इस्तेमाल किया, जिससे कॉल्स को ट्रेस करना मुश्किल हो जाए। ब्रिटेन के फ्रॉड मामलों के मंत्री लॉर्ड डेविड हैंसन ने कहा, फ्रॉड एक वैश्विक समस्या है, मैं अमेरिका और भारत की एजेंसियों को इस अहम सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं।

100 से अधिक लोगों को धोखा दिया

सीबीआई की त्वरित कार्रवाई के बाद दो लोगों को नोएडा से गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि इस गैंग ने ब्रिटेन में 100 से अधिक लोगों को धोखा दिया था। उनसे कहा गया कि उनके कंप्यूटर में वायरस या हैकिंग हो गई है, जिसे ठीक करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारी उनसे शुल्क मांगते थे। असल में ये लोग माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े नहीं थे बल्कि ठग थे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109